











## प्रतिवेदन

# 38वां मध्यक्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

## गौर गौरव उत्सव

26-30 नवम्बर 2024



38<sup>th</sup> Inter-University Central Zone Youth Festival

**GOUR GOURAV UTSAV** 

26th - 30th Nov. 2024

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya Sagar, MP

(A Central University)

(Accredited with Grade A<sup>+</sup> by NAAC)

## संदेश



मुझे अत्यंत खुशी है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय में आयोजित इस युवा महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी जो सांस्कृतिक और साहित्यिक आयामों पर केन्द्रित होंगी. युवा महोत्सव आपसी सहयोग, सौहार्द, प्रेम, और संवेदना जैसी भावनाओं को विकसित करने का एक अच्छा माध्यम हैं. यह युवा प्रतिभाओं के समग्र विकास और प्रगित में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि यह आयोजन युवाओं के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा. इस युवा महोत्सव में पधारे सभी प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाएं.

कन्हैया लाल बेरवाल (सेवानिवृत्त आई.पी.एस.) कुलाधिपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. की ओर से युवा महोत्सव 2024 के इस उल्लासपूर्ण आयोजन में आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करती हूँ। यह उत्सव आपके भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने, रचनात्मक विचारों को पंख देने और सहयोग, समर्पण एवं सामूहिकता के मूल्यों को सशक्त करने का मंच है। इस आयोजन के माध्यम से हम आपको अपनी कला, संस्कृति, ज्ञान और कौशल का



प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। मैं आशा करती हूँ कि यह उत्सव न केवल आपके व्यक्तित्व को निखारेगा, बल्कि आपके भीतर नए उत्साह और प्रेरणा का संचार करेगा। सभी प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

कर्नल प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर



युवा महोत्सव हमारे युवाओं में रचनात्मकता, प्रतिभा और नवाचार की अभिव्यक्ति के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करते हैं। इस समय युवाओं की ऊर्जा और उत्साह मुख्य रूप से प्रदर्शित होते हैं, जो यह दिखाते हैं कि प्रत्येक छात्र के भीतर अद्वितीय संभावनाओं का भंडार है। यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं है; यह हमारे युवा छात्र समुदाय की जीवनशक्ति और गतिशीलता का प्रतीक है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ हर वर्ष अंतर-विश्वविद्यालयीन युवा महोत्सव का आयोजन क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर करता है, जिसमें सदस्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के युवा कलाकार बड़ी संख्या में

भाग लेते हैं। इस वर्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ का 38वां अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मैं प्रत्येक प्रतिभागी को उत्साहपूर्वक युवा महोत्सव में सिक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। विश्वविद्यालय की कुलपित सिहत समस्त आयोजकों, स्वयंसेवकों और मध्य क्षेत्र विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को एक आनंदमयी और सफल युवा महोत्सव की शुभकामनाएँ देता हूँ.

प्रो. विनय कुमार पाठक अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र. में 26 से 30 नवम्बर 2024 तक हो रहे 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव लिए हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह महत्वपूर्ण आयोजन न केवल हमारे युवाओं की जीवंत प्रतिभा का उत्सव है, बल्कि यह सांस्कृतिक एकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। ऐसे भव्य महोत्सव युवा मानसिकताओं को पोषित करने और उन्हें संगीत, नृत्य, नाटक, ललित कला, और साहित्य जैसे विविध क्षेत्रों में



अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि यह महोत्सव खुशी, रचनात्मकता और अविस्मरणीय यादों से भरा होगा, यही मेरी कामना है।

> डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ



मुझे खुशी है कि 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में आयोजित किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय के युवाओं को स्वस्थ संवाद का अवसर प्रदान करेगा और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और सौंदर्यात्मक गतिविधियों में उनके कौशल को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त, यह आयोजन युवाओं में एकता, भाईचारे, शांति और नेतृत्व गुणों की भावना को प्रोत्साहित करने में

मदद करेगा। इस अवसर पर, मैं विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ।

<mark>डॉ. ममता रानी अग्रवाल</mark> अतिरिक्त सचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ

यह प्रसन्नता का विषय है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. को 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव की मेज़बानी का अवसर प्रदान किया है, जो 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन विभिन्न सांस्कृतिक और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक समृद्ध संयोजन प्रस्तुत करेगा। इस महोत्सव में नाटक, साहित्य, ललित कला सहित अनेक प्रकार की गतिविधियाँ शामिल की गई हैं, जो प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी कला का



प्रदर्शन करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है। हमें विश्वास है कि आपकी सक्रिय भागीदारी इस कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान करेगी।

> प्रो. ए.डी. शर्मा अधिष्ठाता, छात्र कल्याण विभाग



मुझे खुशी हो रही है कि "गौर गौरव उत्सव 2024", 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव, का आयोजन डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। यह मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रहा है. जिसमे विद्यार्थी अपनी कला और हुनर से लोगों को विभिन्न संस्कृति और रचनाधर्मिता का परिचय देंगे. ऐसे आयोजन युवाओं में

एकता और सकारात्मक उर्जा का संचार तो करते ही है साथ ही उन्हें आगे बढ़ने कि लगन भी पैदा करते है. सभी प्रतिभागियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

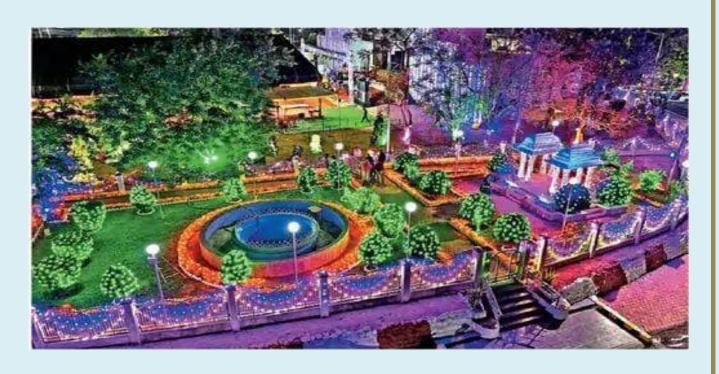
<mark>डॉ. एस.पी. उपाध्याय</mark> कुलसचिव, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय

आप सभी से यह समाचार साझा करते हुए मुझे अत्यंत ख़ुशी हो रही है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) को 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 2024 - गौर गौरव उत्सव की मेज़बानी का अवसर प्रदान किया है, जो 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित होगा। इस तरह के युवा महोत्सव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है. जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और भाषा के अद्भुत मिलन को दर्शाता है. विद्यार्थियों को चाहिए



कि वो इस तरह के आयोजनों में सक्रीय रूप से प्रतिभाग करें. विभिन्न विश्वविद्यालयों के शामिल सभी प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाये एवं बधाई.

डॉ. राकेश सोनी आयोजन सचिव, सांस्कृतिक परिषद, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय



## Inaugural Ceremony





You are cordially invited to the Inaugural Function of the

38th AIU Inter-University Central Zone Youth Festival



26th - 30th November, 2024

**Chief Guest** 

#### Shri Rajendra Shukla

Hon'ble Deputy Chief Minister, MP

**Guest of Honour** 

#### Hon'ble Smt. Lata Wankhede

Member of Parliament Sagar (M.P.)

#### Hon'ble Shailendra Jain

MLA. Sagar (M.P.)

#### Shri Mukesh Tiwari

Famous Cine Artist Mumbai

Preside over the function

#### Shri Kanhaiya Lal Berwal

Hon'ble Chancellor Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

#### Hon'ble Bhupendra Singh

MLA, Khurai & Former Cabinet Minister Govt of Madhya Pradesh

#### **Smt. Sangeeta Tiwari**

Hon'ble Mayor, Nagar Nigam, Sagar

#### Dr. Mamta R Agrawal

Additional Secretary AIU, New Delhi

#### Patron

#### Prof. Neelima Gupta

Hon'ble Vice Chancellor

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

(I)

Date: 26 November, 2024 | Time: 5.00 pm

Venue: Gour Prangan



Dr. Rakesh Soni

**Organizing Secretary** 

Prof. A. D. Sharma

Convener

Dr. S. P. Upadhyay

Registrar



## Events Schedule and Venue

Day	Gour Prangan	Abhimanch Auditorium	Golden Jubilee Auditorium	Ranganathan Bhawan	Acharya Shankar Bhawan
26 <sup>th</sup> Nov 2024 (Tue)	Inaugural Ceremony (5:00PM)	Classical Instrumental Solo (Percussion) (10:00 AM)		Manager's Meet (9:30 AM) Debate (10:00 AM)	
27 <sup>th</sup> Nov 2024 (Wed)		Classical Instrumental Solo (Non-Percussion) (2:00 PM) Classical Vocal Solo (Hindustani/Karnatak) (4:00 PM)	One Act Play (Day-1) (10:AM)	Quiz Prelims (3:00 PM)	On the Spot Painting (1:00 AM) Clay Modeling (4:00 PM)
28 <sup>th</sup> Nov 2024 (Thu)	Group Song (Indian) (10:00 AM) Group Song (Western) (3:00 PM)	Western Vocal (Solo) (10:00 AM) Light Vocal (Solo) (3:00 PM)	One Act Play (Day-2) (10:00 AM) Classical Dance (3:00 PM)	Elocution (10:00 AM) Quiz Mains (3:00 PM)	Spot Photography (10:00 AM) Installation (1:00 PM) Cartooning (4:00 PM)
29 <sup>th</sup> Nov 2024 (Fri)	Folk Orchestra (10:00 AM)) Folk/Tribal Dance (3:00 PM)	Western Instrumental (Solo) e (10:00 AM)	Skit (10:00 AM) Mime (3:00 PM) Mimicry (5:00 PM)		Mehandi (10:00 AM) Collage (1:00 PM) Rangoli (4:00 PM)
30° Nov 2024 (Sat)	Valedictory Ceremony (10:00 AM)				

**Cultural Procession** 

26<sup>th</sup> November 2024 1:00 PM Onwards

From Gour Murti Sagar (City) to Gour Prangan

## युवा उत्सव में रौशनी से जगमग विश्वविद्यालय परिसर





### ध्वजारोहण, मशाल और आतिशबाजी के साथ हुआ युवा उत्सव का आगाज

### मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के



संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरिवश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह 26 नवम्बर को सायं 6 बजे गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, सागर महापौर संगीता तिवारी, प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी, एआईयू की अतिरिक्त

सचिव डॉ. ममता आर अग्रवाल, युवा नेता गौरव सिरोठिया, शैलेश केसरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम की संरक्षिका कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपित कन्हैयालाल बेरवाल ने की। इस दौरान छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रभारी कुलसचिव सत्यप्रकाश उपाध्याय मौजूद थे। स्वागत भाषण डॉ. राकेश सोनी ने दिया। एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल ने सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालय से आये छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं। उन्होंने व्यापक स्वरूप में किये गए इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए म. प्र. के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका

योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने युवा उत्सव में आये सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ। यहां का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है। यहां से बहुत से छात्रों ने पढ़कर देश विदेश में नाम कमाया है। यहां के अनुभवों से सीखिए।



जीवन में उनको अपनाइए। यह डॉ. गौर की धरती है। यहां के अनुभव और शिक्षा को अपने जीवन में अपनाकर अपना भिविष्य और देश के भिविष्य को संवारिये। प्रख्यात िसने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पिवित्र है। यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य किरए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हर के मायने समझाए और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपित प्रो नीलिमा गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत करते हुए अगले पांच दिनो तक चलने वाले युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज,





मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 27 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी.

### तीनबत्ती से निकली सांस्कृतिक रैली, टीम ने दीं प्रस्तुतियां

इस अवसर पर युवा उत्सव की शोभायात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति



दी। वृंदावन बाग के पास सभी सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी. शहर के गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने रैली का स्वागत किया एवं जलपान की व्यवस्था की।

#### बुंदेलखंड विकास मंच ने पच भेंट किया

गोपालगंज स्थित बुंदेलखंड विकास मंच ने डॉ गौर के जन्मदिन पर पच भेंट किया जिसमें डॉ. गौर के कपड़े, झूला, मिठाई, गुड़ के लड्डू और एक हजार किताबें भी पुस्तकालय के लिए दान में दीं। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, कुलपित प्रो नीलिमा गुप्ता, एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल एवं अन्य अतिथियों ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर युवा उत्सव की शुरुआत की। उपमुख्यमंत्री ने हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के तहत भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जिसे सभी उपस्थित समूह ने दुहराया।

#### द्वितीय दिवस

#### अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के



संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरिवश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन,

नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानिसंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हिरिसंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकिसटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

#### आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गईं. पहले दिन

कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के विश्व रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'द्विधा' की नाट्य प्रस्तुति दी.



देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया.



राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और

उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम

वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।



प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी.

#### शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों



ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। इस प्रतियोगिता में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, भातखंडे विश्वविद्यालय, एकेएस

विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया. सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी

सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। यह युवा उत्सव युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

#### युवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भृत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी. प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की

प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन में पढ़ंत के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आर.के. राठौर (जयपुर घराना), डॉ. आलोक



शुक्ला (खैरागढ़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे। प्रतियोगिता में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, डॉ. हिरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल; और भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ सिंहत अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। युवा प्रतिभाओं ने इस मंच के माध्यम से अपना हुनर दिखाया और शास्त्रीय संगीत की परंपरा को जीवंत रखने का सन्देश दिया.

#### प्रतिभागियों ने विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में रखे तर्क

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के



प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें डॉ. हिरसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, दयालबाग एजुकेशनल विश्वविद्यालय, एकलव्य विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया.

प्रतियोगिता का विषय था: 'सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'. प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और किमयों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। छात्रों ने कई अनूठे और विचारोत्तेजक तर्क प्रस्तुत किए, जिसने सभागार में उपस्थित श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी.

#### युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, एकेस

विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं



तकनीक विश्वविद्यालय अयोध्या, एकलव्य यूनिवर्सिटी दमोह, दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट दयालबाग आगरा, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के प्रतिभागियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे.

## 'विकसित भारत' और 'भारत की विरासत' थीम पर बनाए आकर्षक पोस्टर, मां-बच्चे और श्रम थीम पर बनाई मिट्टी से कलाकृतियाँ

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विरासत' थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए. प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग





प्रतियोगिता में 'माँ-बच्चे' और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियाँ बनाईं. इस प्रतियोगिता में बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे.

### तृतीय दिवस

#### पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशन

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.



#### स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी. इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने





भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे.

### विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाट्य प्रस्तृतियां हुई

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके

माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को

सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हयवदन' पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली



बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया.



संचालन डॉ. नीरज उपाध्याय ने किया. दो दिवसीय वन-एक्ट नाटकों की यह प्रतियोगिता युवाओं की रचनात्मकता और अभिनय कौशल का बेहतरीन मंच साबित हुई। दोनों दिनों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज के विभिन्न मुद्दों पर सोचने को भी विवश किया.

## सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर

की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और



सूजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

### देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां संपन्न हुईं. कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे. विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकाँश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की

प्रस्तुति दी. बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया. कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया.

#### प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का



आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरा और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी

प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया। पाश्चात्य एकल एवं समूह गीतों की हुई आनंददायक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता समपन्न हुई. इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से

प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं. पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। नियम के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय को 4 से 6 मिनट का समय दिया गया जिसमें 2 मिनट स्टेज सेट करने के लिए समय दिया गया। सभी प्रतिभागीयों ने अंग्रेजी भाषा में अपनी प्रस्तुति दी। प्रख्यात गायक एड शिरीन का पर्फेक्ट, एलि गोल्डिंग का लव मी लाइक यू डू, अडेल का



रोलिंग इन द डीप जैसे चर्चित गाने प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर सभी श्रोता झूम उठे। सभी विश्वविद्यालयों के प्रदर्शनों ने कार्यक्रम में रोमांच का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में केवल प्रतिभागियों को अपनी कला और प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि यह उनके समर्पण और मेहनत को भी प्रदर्शित करने का एक मंच था। मंच संचालन सलोनी शर्मा द्वारा किया गया. निर्णायक मंडल में डैनी शर्मा, राजेश कोटा, रेखा मुखर्जी उपस्थित थे. समन्वयक अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने निर्णायक मंडल को सम्मानित किया.

क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न इस क्विज़ प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज़ मास्टर के रूप में AIU से पधारे तकनीकी पर्यवेक्षक श्री दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सिक्रय रूप से जोड़े रखा। उनकी प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को शुरुआत से अंत तक मनोरंजक बनाए रखा। परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए क्वालिफाई किया।

### चतुर्थ दिवस

## लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

#### गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढा दिया.



#### नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक



ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

#### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने

वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसन्जित पोर्ट्रेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे.



## बदलते मानवीय संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी. एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने





भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक िसटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राठौर और श्रीदयाल थे. कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (टीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

#### प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन





बनाते हाथों में मेहंदी लगाईं. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया

### मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों





के जिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जिरए छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की.

#### केसरिया बालम पधारो म्हारे देश.....लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं. लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था. प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था.





इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सिहत कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। इन प्रस्तुतियों के समय दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं उनके परिवार भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू अतिथि के रूप में पधारीं जिनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया. इस अवसर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों में सिम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है. मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूँ और समाज से आवाह्न करती हूँ कि ऐसे महान दानवीर, शिक्षाविद और समाज सुधारक को भारत रत्न दिलाने की मुहिम में शामिल हों.

## समापन समारोह

## मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपित कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन



समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण

अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए



सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए. सदैव कर्मशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है. तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर

लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए. अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया. अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति



प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की

प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी.

### सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा.

युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट



फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं.

#### ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली.



अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई. प्रतियोगिता के अन्य परिणाम इस प्रकार हैं.

संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यलय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस

श्रेणी के क्लासिकल वोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम ग्वालियर तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्र्मेंटल सोलो (पर्कशन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तृतीय, लाइट वोकल (इंडियन) में डॉ. हिरिसंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालयर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (वेस्टर्न) में दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, फोक ऑर्केस्ट्रा में डॉ. हिरिसंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न

इंस्ट्र्मेंटल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय स्थान पर रहे.

नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के फोक/ट्राइबल



डांस में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, डॉ. हिरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तृतीय, क्लासिकल डांस में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वितीय, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ तृतीय स्थानों पर रहे.

साहित्यिक विधा में ओवरऑल विजेता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद गुरु ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्विज़ में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, बीएचयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, भाषण प्रतियोगिता (एलोक्यूशन) में बीएचयू वाराणसी प्रथम, आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या द्वितीय, देवी अहिल्या



विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, वाद-विवाद (डिबेट) में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय तथा आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे. नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप

देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के वन-एक्ट प्लेमें राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय खालियर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, स्किट में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय खालियर द्वितीय,



देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, माइम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, डॉ. हिरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन तृतीय, मिमिक्री में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय और बीएचयू वाराणसी तृतीय स्थान पर रहे.

फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व् राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेंटिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर



द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, पोस्टर मेकिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉडलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्टूनिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय. विक्रम

विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकिसटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय स्थान पर रहे.

सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर प्रथम स्थान पर रहा. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय स्थान पर रहे.

#### दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक

एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानिसंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया. इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया. एकेएस विवि सतना के दल ने बरेधी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया. राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ.



\_\_\_\_\_

## सांस्कृतिक रैली

















## उद्घाटन कार्यक्रम की झलकियाँ

















## प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ













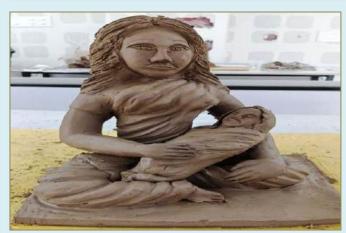




















## प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ

































## प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ





























































ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

### खबरों में गौर गौरव उत्सव 2024

# 🍳 风 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त मध्य तत्वावधान अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकत्रह्माह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव विश्वविद्यालय. **अम्बेडकर** आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय.



नरेंद्र विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय, बन्देलखण्ड छतरपर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम युनिवसिंटी, ग्वालियर, रानी दुगांवती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर,

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभातिं विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,



डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय. खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

आजादी सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधनिकीकरण पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियाः विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई.

पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कका व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान

देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। टेवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती बरकतुलाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दशांया। बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तृत

मध्य क्षेत्र युवा उत्सव

महोत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के एक हजार प्रतिभागी भाग ले रहे हैं

## महाकाव्य महाभारत पर आधारित संस्कृत नाटक ऊरुभंगम का मंचन

सागर 27 नवम्बर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में 955 प्रतिभागी भाग

ले रहे हैं.

स्वर्ण जयंती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा वन एक्ट प्ले की प्रस्तृतियां दी गईं. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं, रंगकर्मी रविंद्र दुवे कका व राजेन्द्र दुबे अतिथि के



रूप में शामिल हुए, प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक ऊरूभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो महाकाव्य महाभारत पर आधारित है. जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा दुविधा की अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी. यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मृल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है, बरकतुझाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की

इस नाटक ने दर्शकों को आर्कषित किया. राजा मानसिंह तोमर विवि ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया. रानी दर्गावती विवि जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तृति दो गई.

#### अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

## 38 वां मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सवः दूसरा दिन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात विधिवेता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानबीर हॉ. सर हरीसिंह गीर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संप (बू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा जसब 2024-25 'गीर-गीरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया ना रहा है. इस युवा उत्सव में बुल 955 प्रतिभागों भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रबोन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय गुवसेन, भोपाल, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट, दवालबाग एजुकेशनल दवालबाग, आगरा,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदीर, डॉ. भीमराव राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर,

आयेडफर विश्वविद्यालय, आगरा विक्रम विश्वविद्यालय, उन्जैन, नरेंद्र देव कृषि विरवविद्यालय एवं टेवनोलॉजी, अयोध्या, प्रतसाल विश्वविद्यालय, उत्तरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवसिंटी, ग्वालिवर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांथी प्रौद्योगिको विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गीर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातराण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई



स्वामी विवेकानन्द शुभाति विश्वविद्यालय, भेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बाराणसी, डॉ. सी.बी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्याची इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं। राजा मानसिंह तोमर विक्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरसाह बुंदेला को बीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विज्ञाविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरुकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विस्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाटय प्रस्तृति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाचा। स्वामी

विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभावियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा की पक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश दाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभावियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आगारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानी संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।

प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सगहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती संभागार में संपन्न होंगी।

### जैसे मुद्रों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'कन एकट प्ले' की धरतुरिया दी गई. पहले दिन कुल दल घरतुरिया हुई. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रणकार्मी रविद्व दुवे कवका व राजेन्द दुवे अतिथि के स्था में शामिल हुए धरियोमिता में एकेएस विश्वविद्यालय अताव क क्या में सामन्त हुए प्रक्रायाना में एक्टर प्राचित स्थान के प्रतिभागियों ने भाव प्राप्त तिर्वित संस्कृत नहर कि क्रक्याण के विश्व स्थानत्त्व का प्रकार का यो सुध्यम्ब महावाद्या प्रकारत्त्व पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय प्रशासिक व्यवस्था प्रत्यस्था का विज्ञवत्त्र ने क्या प्रशासिक सम्बन्धा त्राप्तिक सम्बन्धा द्विष्टा की मार्ट्स प्रस्तुति ही देवी अतिरक्षा होग्या होग्या की मार्ट्स प्रस्तुति ही देवी अतिरक्षा होग्या हो नाट्य प्रस्तुति वी । यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूनवों व रोजग्यर की समस्या के नाथ इसम के धर्म को बतनाती है असकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोजल ने बेटियों पर आधारित नटक का मंचन करते हुए समाज में व्यक्त नकाररामक सीच को दर्शाया. बालिका अलावार, बेटियो की आजारी और सम्मान पर केदित इस नटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में अभिनय, वाद-विवाद और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

### नाटक में नजर आई वीरता की झलक, साइबर अपराधों से बचने किया जागरूक

संस्थापक एवं संविधान सभा के सदस्य डा. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र मध्य अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने अभिनय से लेकर गायन में अपनी प्रस्तुति दी।

गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा नेपबर तक आयाजत क्यां जा रहा है, जिसमें कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विवि के स्वर्ण जयन्ती संभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई। पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर अधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विश्वयदान देथा



कार्यक्रम में वीरता की झलक दिखाने नाटक की प्रस्तुति देते हुए कलाकार 10 नवदुनिया

द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

प्रमोशन के लिए संघर्ष को हास्यात्मक तरीके से किया और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार प्रस्तुत : कार्यक्रम में राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह प्रातमाभाग न 1842 के बुदला विश्वार और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालंबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों अपराघ की घटनाओं और साइबर ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर सरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर आधारित नाटय प्रस्तृति दी। प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय,

शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दी प्रस्तुति व्युवा ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम कलाकारों ने दी प्रस्तुति : युवा से कर्ज के ब्रुदले महिलाओं के शोषण उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल



प्रतियोगिता के दौरान रोबोट पर आधारित नाटक की प्रस्तृति दी गई। • नवदनिया

इंस्ट्रुमेंटल सोलो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। प्रतियोगिता में सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा।

युवा उत्सव में गारशीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तित दी। प्रतिभागियों ने हिन्दस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत

23 विवि के प्रतिभागी वाद-विवाद प्रतियोगिता में हुए शामिल : रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालया के

मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पडत प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। वहीं विवि के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाण पालवीय थे। विवि के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विरासत' थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता में 'मां-बच्चे' और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। इस प्रतियोगिता मंव विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और

### ञ्चालियर के विद्यार्थियों ने बुंदेली भाषा में दी बुंदेला विद्रोह की प्रस्तुति, महिलाओं के शोषण पाद-१ववाद, आमनव, वाद-१ववाद, चित्रकारी आदि की प्रतियोगिताएं हुईं और सामाजिक समस्याओं को भी दर्शाया, स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया

मध्य क्षेत्र यवा उत्सव दूसरा दिन •

वाद-विवाद, अभिनय, वाद-विवाद,

सागर विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती पर गौर गौरव उत्सव के तहत डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में एआईयू के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे मध्य क्षेत्र के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन अलग-अलग प्रस्तुतियां हुई। युवा उत्सव में दो राज्यों के 23 किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालयः विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं।

स्वर्ण जयंती सभागार में वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां हुई। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने उरुभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया। जागरण लेक विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम

युग रोबोटिक्स, बरकतंडल्लाह विवि भौपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला को वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विवि, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती

विवि के विद्यार्थियों ने दुविधा, देवी वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन ऑहल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। दयालबाग विवि, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रधा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी।

नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया। नॉन-पर्कशन में प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता कर निर्धारित समय में ताल बाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की की आकर्षक कलाकृतियां बनाई।

धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। रंगनाथन भवन में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सहित 23 विवि के विद्यारियों ने सहभागिता की।

उन्होंने सदन का मानना है कि विजअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तकं प्रस्तुत किए। आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्या रियों ने अपने भाव उकेरे। आचार्य शंकर भवन में विकसित भारत एवं भारत की विरासत धीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और 'क्षम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिडी



### आज यह प्रस्तृतियां होंगी

सागर, गुरुवार २८ नवंबर, २०२४ | 03

- गीर प्रांगण में स्वह 10 बजे से समूह गान भारतीय तथा 3 बजे से समह गान वेस्टनं कर प्रस्तृति होगी।
- अभिमंच सभागार में सबह 10 बजे वेस्टर्न वोकल सोलो तथा दोपहर 3 बजे लाइट बोकल सोलो प्रतियोगिता होगी। गोल्डन जुबली हॉल में सुबह 10 बजे से वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति तथा दोपहर 3 बजे से क्लासिकल डॉस की प्रतियोगिता
- रंगनाथन भवन में सुबह 10 बजे से भाषण प्रतियोगिता, दीपहर 3 बजे से प्रश्नमंच मुख्य प्रतियोगिता होगी।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे से स्पॉट फोटोग्राफी, दोपहर 1 बजे से इंस्टालेशन और शाम 4 बजे से



सागर, देशबन्ध। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में आयोजित मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव गौर गौरव उत्सव के दूसरे दिन छात्रों ने अभिनय, वाद्य संगीत, वाद-विवाद, चित्रकारी और मूर्तिकला में अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में वन-एक्ट प्ले प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 10 विश्वविद्यालयों ने अपने नाटकों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, ऐतिहासिक घटनाओं और आधुनिक चुनौतियों को

### धूमधाम से मनाया जा रहा 38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

## दूसरे दिन प्रतिभागियों ने दिखाई विविध कला प्रतिभाएं

प्रस्तुत किया। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने महाभारत पर आधारित ऊरूभंगम की प्रस्तुति दी। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी ने विजयदान देथा की दुविधा को मंच पर जीवंत किया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने रोबोटिक्स और मानवीय मूल्यों के बीच संघर्ष को दर्शाया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों के अधिकारों और समाज की नकारात्मक सोच को चुनौती दी। अन्य प्रस्तुतियों में बुंदेली विद्रोह, साइबर अपराध और सती प्रथा जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया गया। निर्णायकों और दर्शकों ने प्रतिभागियों की सराहना की। क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो नॉन पर्कशन और शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिताओं ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। बरकतुल्ला, देवी अहिल्या, रानी दुर्गावती और भातखंडे विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी सांगीतिक परंपराओं का-प्रदर्शन किया। तबला और अन्य ताल वाद्यों पर प्रस्तुतियों ने दर्शकों

को भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति प्रभावित किया। रंगनाथन भवन में आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने विज्ञाल मीडिया के समाज पर प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतिभागियों ने तर्कों के माध्यम से श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोडी। आचार्य शंकर भवन में आयोजित पेंटिंग और क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने विकसित भारत, भारत की विरासत, मां-बच्चे और श्रम् जैसे विषयों पर अपनी कलाकृतियां प्रस्तुत कों। पोस्टरों और मिट्टी की कलाकृतियों ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक विषयों को रचनात्मकता से उजागर किया। प्रतियोगिता में 20 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। यह युवा उत्सव न केवल कला और संस्कृति के प्रति छत्रों की रुचि को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजने और बढ़ावा देने का माध्यम बन रहा है।

### युवा उत्सव के दूसरे दिन अभिनय, वाद-विवाद, वादन व चित्रकारी में दिखाई प्रतिभा

## मंच पर बताई मनुष्य व रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा, साइबर सुरक्षा का दिया संदेश



पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

सागर. डॉ. सर हरिसिंह गौर के भारतीय जयंती विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन बुधवार को अभिनय, वाद-विवाद, वादनं और चित्रकारी प्रतियोगिता में 955 प्रतिभागियों ने प्रतिभा दिखाई। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों ने वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति दी। आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण में रोबोट और मनुष्य के बीच की प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां दी।

सभागार में पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएसं विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने संस्कृत नाटक **ऊरूभंगम** के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान बतलाती बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त





#### प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे। इसके साथ हीं विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और श्रम थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाई। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

नकारात्मक सोच को दर्शाया।

तोमर ग्वालियर विश्वविद्यालय, प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गीवती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर

अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाटय प्रस्तृति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया।

#### शास्त्रीय ताल वाद्य वादन ने बांधा समां



युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रमेंट सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिताका आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आरके राठौर, डॉ. आलोक शुक्ला और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे।

# 38वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का दूसरा दिन

विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के स्वीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदीर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल ब्न्देलखण्ड विश्वविद्यालय, इतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिको विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर,



अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी युनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. सतना, एकलब्द विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंद् विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता

प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों रंगकर्मी रविंद्र दुवे कक्का व राजेन्द्र दुवे और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रतियोगिता में

ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'करूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लयुकथा 'दुविधा' को नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदीर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मुल्यों व रोजगार की समस्या के साथ ईसान के धर्म को बतलाती हैं. बरकत्त्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया, बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया। युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का

आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट

## 38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का दूसरा दिन

# अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं



#### आवरण संवादकत

→ सगर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिकाबिद एवं प्रख्यत विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिकाबिद एवं प्रख्यत विश्वविद्यालय सभा के सरस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 में जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ च हिंदि के संयुक्त तवावायान में मध्य श्रेष अंतरसिक्वविद्यालयोंन मुख उत्सव 2024-25 'गौर गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक अव्योजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, मध्य श्रेष के खीनदाव प्रविद्यालय है स्थाविद्यालय प्रविद्यालय के स्थाविद्यालय, अंगरा, देवा उत्सव स्थाविद्यालय, अंगरा, देवा उत्सव स्थाविद्यालय, इंटीर, डॉ. भीमराव अम्बद्धालय है स्थाविद्यालय, अपन्ता, क्ष्मित्र सिक्वविद्यालय, इंटीर, डॉ. भीमराव अम्बद्धालय, स्थाव, आगरा, क्षिक्र सिक्वविद्यालय, व्यव्यव्यालय, क्ष्मित्र, च्यानविद्यालय, क्ष्मित्र, च्यानविद्यालय, क्ष्मित्र, च्यानविद्यालय, क्ष्मित्र, च्यानविद्यालय, क्ष्मित्र, च्यानविद्यालय, क्षम्य, राजी युक्तविद्यालय, क्षम्य, राजी युक्तविद्यालय, क्षम्य, स्थाविद्यालय, क्षम्य, स्थाविद्यालय, क्षम्य, स्थाविद्यालय, क्षम्य, पात्रव्याव्यालय, स्थाव, क्षम्य, क्षम्य, क्षम्य, क्षम्य, पात्रव्यालय, स्थाव, स्थाव, क्षम्य, क्षम्य, क्षम्य, क्षम्य, विद्यविद्यालय, संघ, लक्ष्मीबाह एट्टीय शारीकि किंवा संद्यालयालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाविद्यालय, स्थाव, स्थाविद्यालय,

#### आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बदते आधुनिकीकरण जैसे मुद्रों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नादय प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एकट परे' की प्रस्तुतियां हो गई पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई कार्यक्रम में शब्द होने कक्का व एजेन्द हुवे अतिथ के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागीयों ने भाव द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'कर्मपंग' के हिंदी कर्यातरण कर मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकारुप महाभावर पर अभावित है। जारायण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयन्त्रन देखा प्रतिकृत राजस्थानी लायुक्या 'द्वाराय' को नाट्य प्रस्तुति दी। देवी आहिल्याबाई विश्वविद्यालय हैंदीर ने आधुनिक युग ऐबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोमंदीट के वीच प्रतिकृत्या और प्रान्वीय मूल्यों व रोजवार की समस्य के साथ ईसान के धर्म को बहलाती है कर्या नक्काराल्या विश्वविद्यालय भोगल ने वेशित पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्यान नक्काराल्य को इसांग, बाहिक्य आवाबार, बीटेयों को आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को अकर्वित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुदेला विद्रोह और राजा
मधुकरशाह बुदेला को वीरता को बुदेली भाषा में प्रस्तुत किया। राजी दुर्गावती विश्वविद्यालय,
जवलपुर के प्रतिभागियों ने सहाबर अध्यक्ष को घटनाओं और सहाबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में
सहकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्न के बदले
मिलाओं के शोषण और उससे उदम्ज सम्मयक्का को देशावा स्वामी विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने स्वामी को प्रमोशन पाने की संख्ये

कथा को हास्याल्यक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश द्वाला
स्था। द्याल्याण विश्वविद्यालय, आगर के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्पभावों पर
आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देश कृषि पर्य प्रीवाणिको विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उद्यन्त स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का

चित्रण किया

प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहता की। वन-एकट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जवनी सभागार में संपन्न होंगे।

#### शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रमेंटल सोली ( नीन-पर्कशन) प्रतिवाशिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभाषियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बोहरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को संग्रमुभ किया। बाध पंत्रों के धूनों ने कार्यक्रम को संगीतम्य और उत्कृष्ट बना दिया। इस प्रतिवाशिता में बस्कतउत्तरल विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राज मानदिस्त तोष्मर विश्वविद्यालय, व्यालय प्रतास विश्वविद्यालय, कार्यद्राधी विश्वविद्यालय, प्रकार विश्वविद्यालय, प्रतास दिव विश्वविद्यालय, प्रवास विश्वविद्यालय, एकेय्स विश्वविद्यालय, स्वामें विश्वविद्यालय, एकेय्स विश्वविद्यालय, स्वामें विश्वविद्यालय, एकेय्स विश्वविद्यालय, इस विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रमार, राजीव गांधी प्रीविधिको विश्वविद्यालय, किस प्रतास विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय और प्रतास होत्य विश्वविद्यालय के प्रतास विश्वविद्यालय और प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय और प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय की प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विश्वविद्यालय के प्रतास सभी विद्यालय के प्रतास सम्यालय के प्रतास सम्यालय स्वाविद्यालय के प्रतास सम्यालय के प्रतास सम्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय के प्रतास सम्यालय स्वाविद्यालय के प्रतास सम्यालय सम्यालय स्वाविद्यालय के प्रतास सम्यालय स्वाविद्यालय के प्रतास सम्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय स्वविद्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय सम्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय स्वाविद्यालय सम्यालय स्वाविद्यालय

#### युवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भुत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल बाद्य प्रतियंगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छतों ने प्रतिभागिता को जिसमें उन्तीने निश्वित समय में ताल बाद्य को प्रस्तुति दी। प्रतिभागितों ने हिन्दुस्तानी और कन्धंटक संगीत की धूनों में शास्त्रीय ताल बाद्य की प्रस्तुति दी। जिसमें पूरे गीर प्राणय में एक अद्भूत संगीतलक माहित बन गया। ओताणण ने द्वाच कलाकरों में पहित के साथ हरगीत को विसम्य और तक्ताह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तक्षताखदन में पहुंत के साथ हरगीत्मम और तक्षता बादय में पहुंत के साथ सहगी को विश्वविद्यालय भी हो तिससे प्रस्तुति और भी अक्रवंक बन गई। शास्त्रीय तल्प वाद्य प्रतियोगित के निर्णायक मंद्रल भी द्वीतिष्ठ संगीता छैं। आत के उत्पर्द (जयपूर प्रमान), छैं. अल्लोक शुक्ता (खीरागढ़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक स्रोमयों कधुम्वाल ग्रामित थे। प्रतियोगिता में स्थीदनाथ टैग्वर विश्वविद्यालय, स्थाप, राजा मार्जीस्त तोमर संगीत और करता विश्वविद्यालय, ग्वालिय, धार राजिक गांधी प्रतियोगित विश्वविद्यालय, ग्वालय, स्थाप, राजीव गांधी प्रीद्योगित विश्वविद्यालय, भी अल्पों प्रस्तुतीय विश्वविद्यालय, स्थाप, राजीव गांधी प्रीद्यालय क्षेत्र विश्वविद्यालय प्रस्तुतीय ते अल्पों प्रस्तुतीय विश्वविद्यालय अल्पों के अल्पों प्रस्तुतीय वी। युव्य प्रतिभागों ने इस मंच के माध्यम से अपना हुनर दिखाय और शास्त्रीय संगीत की परंपंप को जीवत रखने का सन्देश दिखा।

#### प्रतिभागियों ने विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में रखे तर्क

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में काद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू

#### युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वारागसी, लक्ष्मेवाई नेशनल इंस्टिट्यूट औक विश्वविद्यालय वारागसी, लक्ष्मेवाई नेशनल इंस्टिट्यूट औक विश्वविद्यालय पातालयर, जीवानी विश्वविद्यालय महिन्यूट पातालयर, अवशेष प्रताप महिन्यूट पातालयर, एकंस विश्वविद्यालय मारा राजीव मांची प्रतियोगिको विश्वविद्यालय भीपाल, राजा मानमित्र तोमर संगीत एवं करता विश्वविद्यालय भीपाल, राजा मानमित्र तोमर संगीत एवं करता विश्वविद्यालय मार्ची प्रतियोगिको विश्वविद्यालय अर्थाय, उन्हेंन, उनी दुर्गाविद्यालय आगरा, आवार्य नरेंद्र देव कृषि एवं करनीक विश्वविद्यालय भेराठ, जी भीमग्रव अन्येडकर विश्वविद्यालय आगरा, आवार्य नरेंद्र देव कृषि एवं करनीक विश्वविद्यालय भेराठ, जी भीमग्रव अन्येडकर विश्वविद्यालय आगरा, अर्थाय नरेंद्र देव कृषि एवं करनीक विश्वविद्यालय अर्थाय, वारागिकीयालय अर्थाय अर्थाय, वारागिकीयालय अर्थाय, वारागिकीयालय अर्थाय, वारागिकीयालय अर्थाय अर्थाय अर्थाय अर्थाय वारागिक वारागिक वारागिक वारागिक वारागिकीयालय अर्थाय अर्थाय वारागिक वारा

#### विकसित भारत' और 'भारत की विरासत' थीम पर बनाए आकर्षक पौस्टर, मां-बच्चे और श्रम थीम पर बनाई मिद्री से कलाकृतियाँ

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विशासत' धीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए, प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए करत का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतिभागिता में 'मौ-बल्वे' और 'श्रम' धीम पर प्रतिभागियों ने मिट्ठी की आकर्षक कलाकृतियाँ बनाई। इस प्रतिभागिता मंच बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, प्रतिभागिता के समन्वयक डॉ. बलबंत भटीरंगा और आकाश मालवीय थे।

#### आज मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में होने वाले कार्यक्रम

गौर फ्रांगण में सुबह 10 बजे से युप सीना (इंडियन) तथा 3 बजे युप सीना (बेस्टर्न) का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे बेस्टर्न बोकल (सोलो) प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे लाइट बोकल (सोलो) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। गोल्डन जुबली हाल में सुबह 10 बजे वन एकट प्ले का दूसरा दिन तथा दोपहर 3 बजे से बलासकल डास को प्रतियोगिता का अयोजन किया जान है। एंगावाभ भावन के कार्यक्रमों में सुबह 10 बजे भाषण प्रतियोगिता एवं चंदाहर 3 बजे से प्राथमण पान में कल तथा में प्रतियोगित का जुलक उनने मिलेशा जिनमें सार्ट फोटोप्रकरी (सुबह 10 बजे), इंस्टरलेशन (दोपहर 1 बजे) और कार्टीनंग (शाम 4 बजे) प्राप्तिल हैं।

## अभिनय, वाद-विवाद व चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभाएं





सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एव प्रख्यात विधिवेत्ता संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वे जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर तत्वावचान में मध्य क्षत्र अतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्स्व में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के पहले दिन विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता में एकेएस विवि सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत प्रातमागया न भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक ऊरूभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विवि द्वारा विजयदान देखा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा दुविधा की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोनोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साम इसान

#### शास्त्रीय वादन एकल में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन वलासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित रम्मय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विरमय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलुवादन में पढ़त के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई।

के धर्म को बतलाती है। बरकतुझाड़ विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविधालय ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुटेला विदोह और राजा मधुकरशाह बुटेला की वीरता को बुटेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और

उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालयं मरठ के प्रतिभागया न मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हस्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नादय प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्यविद्यालय अयोध्या ने प्रोच्चागको विश्वयोवद्यालय अयोध्या न बिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उसमें उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की विगारी का चित्रण किया। विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में

खे तर्क : विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय था सदन मानना है कि विजुअल मीडिया समाज पर सकारात्मक प्रभाव पडता है। प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। छत्रों ने कई अनूठे और विचारोत्तेजक तर्क प्रस्तुत किए जिसने सभागार में उपस्थित श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छप छोड़ी।

#### युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विवि के आचार्य संकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विवि के आचार्य शंकर भवन में विकसित भारत एवं भारत की विरासत बीम पर प्रतिभागियो ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता में मां बच्चे और त्रम यीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। इस प्रतियोगिता में बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

# 38वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सवः दूसरा दि**न**

#### अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्वरो

सागर (विध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गीर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेता, संविधान गीर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (दु) नई दिव्यी के संयुक्त वत्वावधान में मध्य क्षेत्र संयुक्त तत्वावधान म मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयोन युवा उत्सव 2024-25 'गीर-गीरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस 2024 तक आयाजत काया जा १०० प्र युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले हैं मध्य क्षेत्र के खीनदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, सरकतुकाह भोपाल, दयालबाग विश्वविद्यालयं, भोपालं, दयालांबागं प्रकृतिशालयं, भोपालं, दयालांबागं प्रकृतिशालयं, स्वीद्युट, दयालांबागं, आगरा, देवी अधिल्या विश्वविद्यालयं, इंदीर, इर्ड. भीपायां अभवेतकः विश्वविद्यालयं, उपाणां विश्वयः विश्वविद्यालयं, उपाणां विश्वविद्यालयं, विष्वविद्यालयं, विष्यविद्याल कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोष्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोपर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटोएम यूनिवसिंटो, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, गांचा प्राधानका विश्वविद्यालय, सांपाल, इतिहर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सांगर, अवपोश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, म्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय. सतना. एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान म्बालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभाति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

आजादी के संघर्ष, सामाजिक क्रीतियों और बढते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं











स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया। प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, कर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं

#### करत स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी. शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लास्किल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (चीन-फईशन) प्रतिमोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन अपनी कला और प्राराभा का बहुतराज बन्दा किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया बाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमध्य और उल्कृष्ट बना दिया। इस प्रतियोगिता में बरकतव्यक्ष विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंड तोमर खावद्यालय, द्वा आहेत राजा मानसिंह तोमर म्बालियर, आईटीएम अवधेश प्रताप सिंह जीवाजी विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय. विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, भातस्त्रंडे विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय, स्वामी विश्वेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, वॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया. सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। यह युवा उत्सव युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बळ्ळा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

#### यवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भुत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता में 23 व खेलकालपों के अब ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्भागित समय में ताल बाध की प्रस्तुति दी. प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल बाध की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन में पढ़त के साथ हारमोनियम और तबला बादन में पहुँत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। शास्त्रीय ताल बाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आर.के. राठीर (जयपुर घराना), डॉ. आलोक शुक्ला (खैरागड़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे।

### प्रतिमागियों ने दी प्रभावी नाट्य

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार मे प्रतिभागी विश्वविद्यालयों हारा वन एकट एते की प्रस्तुतियां दी गईं पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में सहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद दुवे कका व राजेन्द्र दुवे अतिथि के रूप में शामिल हुए, प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देशा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल्याबाई नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मृत्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुक्राह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दशाया. सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया. राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की बीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध जन्मदपुर के प्रतिस्थानिय ने राह्य उत्तरपुर को घटनाओं और साइवर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, व्याख्यिय ने नाद्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विश्वेकानंद सुभारती दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुख्यिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुप्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न

## विश्वविद्यालयः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन



जनचिंगारी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (द्व) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के



टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, उज्जैन. विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी

विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशन: विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्द विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण विश्वविद्यालय विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

## सामाजिक कुरीतियों के विरोध के साथ पर्यावरण सरंक्षण का दिया संदेश

डा. <mark>गौर महोत्सव ●सृजनात्मक अभिव्यक्तियों</mark> से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

नव्दुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक दानवीर डा. सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में गुरुवार को नाटक के साथ विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट बनाकर वरण सरंक्षण का संदेश भी दिया। विवि के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिमागियाँ को कुछ ऐसी प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के 56 फोटोग्राफी प्रतियोगिता में युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी की फोटो में से कुल 11 विवि के प्रतिमागियों ने माग लिया। पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिमागी के साथ एक वालॉटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे। ावभाजन की त्रासदी और सामाजिक कुरीतियों पर नाट्य प्रस्तुतियां : विश्वविद्यालय के स्वर्ण त्रासदी प्रस्तुत्वया : ।वरवावधालय क स्वरण जबन्ती समागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुई। रवींद्रनाथ टैगोर बिल्व ने गरीबी का जीवन जी रहें एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बीझ के रूप में देखे जाने





विद्यार्कियों ने अपने प्रोजेवट के माध्यम से पर्यावरण सरक्षण का संदेश दिया । • नबदुनिया

महाभारत के भात्र केण के उदाहरण चलन आर उनके के मध्यम से जाति क्यावस्था, हास्यपूर्ण ढंग से उ पक्षपात और भाई-मतीजाबाद पर गालियों के स्थान पर ह प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह के की आवाज का प्रयोग ह छात्रों ने समाज में गालियों के बढ़ते तत्व था। संचालन

महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक

उपाध्याय ने किया। दो दिवसीय वन-एक्ट नाटकों की यह प्रतियोगिता युवाओं की रचनात्मकता और अभिनय कौशल का बेहतरीन मंच साबित हुई।

#### इंटरनेट मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसकी थीम इंटरनेट मीडिया का प्रभाव थी। भाग इंटरनेट माडियां को प्रमान था। प्रतिभागियों ने सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। विवि के गौर प्रांगण में समूह (भारतीय) एवं समूह (भारतीय) की प्रस्तुतियां कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख

लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे। अधिकांश ने महिला संशक्तिकरण का संदेश देने बाले गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं स्वणे जवन्ती सभागार में मारतीय शास्त्रीय जयनता सभागार म भारताय शास्त्राय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित को गई। प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुथिपुडी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन

#### समूह गीतों व विवज में पूछे गए ज्ञानवर्धक प्रश्न

गौर प्रांगण में पारचात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रतिपागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायों गीतों की प्रस्तुतियां र्दी। पाञ्चात्य एकल ग्रम्यन प्रतियोगिता गई जिसमें 16 विस्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों– पाठ्य, आडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। इस दौरान परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने दुगावता विश्वचावधालयं, अक्लपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालयं, बाराणसी ने हितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालयं, इंटीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए

### सूजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिवस

# प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

**आपन्य संवयता** सागरा डॉ. सर हर्गीसंह गौर के 155 वें जमा दिसम के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाक्यान में मध्य क्षेत्र अंतर्धस्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवाबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल गोख उत्सव '26 से 30 नवाबर 2024 कह आयोजित किया जा रहा है। इस यूचा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, मान्य क्षेत्र के लीव-दान्य टीगोर विवस्वविद्यालय वयसेन, बरकानुल्लाक विश्वविद्यालय, भोफल, रदालबाला एकुकेसगल इंस्ट्रेट्ट, दरालकान, आगरा, देवो औहत्या विश्वविद्यालय, भोफल, रदालबाला एकुकेसगल इंस्ट्रेट्ट, दरालकान, आगरा, देवो औहत्या विश्वविद्यालय, पर्टे देवो-सर्वाली, अयोग्या, महराजा छक्तसाल बुरे-तहव्यक दिव्यविद्यालय, पर्टे देवो-सर्वाली, अयोग्या, महराजा छक्तसाल बुरे-तहव्यक दिव्यविद्यालय, अत्युद्ध, व्याविद्यालय, मानिसर, आईटीयम पूर्गि-वार्सिटी, म्वालियर, कोने दुर्गोक्षती भित्रविद्यालय, जिल्लाप, वालियर, आईटीयम पूर्गि-वार्सिटी, म्वालियर, वालीव्यर, कार्य सिंह स्वविद्यालय, भोजाल, द्वाविद्यालय, क्षेत्र में दुर्गोक्षती हिश्यविद्यालय, सामर, अवस्थित प्रताप सिंह स्वविद्यालय, रोजा, जागरण लेकसिटी यूनिवार्सिटी, भीपाल, जीवार्जी विश्वविद्यालय, म्वालियर, भातख्यक्ष संस्कृति विश्वविद्यालय, लक्तस्त एक्तस्त विश्वविद्यालय, स्वान्य, सुक्तस्त सुक्तस्त्वव्यालय, सुक्तंत्र, स्वान्य, स्वान्य, स्वान्य, स्वान्य, सुक्तस्त सुक्त

### पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संस्कृण पर केंद्रित इंस्ट्रालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें 'वेस्ट मैटेसिंख' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सके, प्रतिभोगिता में कार्यी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी राजवर्ग ना वार्षा ने वार्षा हुए तर है। अपना हुए कर कारणात्मा नाता हुए हुन्यकारात्म, आवार्षा विश्वविद्यालय, एकेस्स विश्वविद्यालय सतना, आईटीस्स विश्वविद्यालय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोषाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

#### स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्रफो प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी, इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतियोगियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शित हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालटियर ख्वा गया तांकि प्रतियोगिता फोटोग्रफी की पारदर्शिता बनी खे.

#### विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाष्ट्रय प्रस्तुतियां हुई। स्वीदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने को मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, म्वालियर ने महाभारत क रूप न पद्धा जान का मानक कारता का दशाया, आइटस्प महस्यवधारम, स्वालस्प ने महिमारी के पात्र कर्ण के कहारण के माजम में जाति व्यवस्था, प्रथमत और पाने पत्तीकादार पर प्रकार किया अवस्थेश प्रवाप सिंह विश्वविद्यालय, कैवा ने समाज में माहिगों के स्कृते चलन और उनके दुष्णभाव को हास्पणूर्ण वेंग से उज्जागर किया। गाहिगों के स्थान पर कृते के भीकन की आवाज का प्रयाग एक परमाहमक तथा था। यजीव यूंगी प्रैसोगिको विश्वविद्यालय, भीमाल ने महाभारत की पूर्णभूमि पर

्राप्त अप अकाश क्वांगा शिला के स्थान पर कुत्ते के भीकर्न को आजावन का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। उजीव गांधी प्रैडांगिकी विश्वविद्यालय, भीचल ने महाभात की प्रपृप्ति पर आधारित प्रसृति में युद्ध के दीरान पांडवों और कोरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों को मृत्यू को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के हुँद्ध को उकेश गया। बनास्स हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसो ने भागत विभावन को जास्यों को सआतत हसना भी की काशिन्यों के माध्यम से मंच पर जीवति किया तिक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'बस्पुर्थन कुटुंक्कम' के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विध्यों को मंच पर भस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्त पर आधारित था। डॉ. हर्गिक्स में परिवार करने एक वहने पर अध्यक्ति था। डॉ. हर्गिक्स में परिवार करने एक पर अध्यक्ति था। डॉ. हर्गिक्स में परिवार करने एक पर परिवार को स्थान हर्गिक से परिवार के पर



सोराल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्ट्रीनंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की धीम आत्रपाशात भ दराभर का 23 अवस्वावस्थालमा के छात्र-छात्राओं न हिस्सा हिस्सा आत्रपाशात्ता का भाग-रेगोहाल मंडिंग का प्रमान <sup>था</sup>। इस विषय पर निवासियों ने अपने निवासे को कार्टून के माण्यम से रचनात्मक ढांग से प्रस्तुत किया। प्रतिभाशियों ने सोशल मीडिया के सकावत्मक और नकारात्मक पहलुओं को उनारप करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं को सुनात्मकता और सोचन की बभाग को बहुबाद ने के उद्यूप से आयोगित की गई था। प्रतियोगित में निवासियों के कार्यों को देखकर नियासक मंडल ने भी प्रतस्ता की। विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर स्त्रा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन स्त्रा है।

#### देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (भारवादय) की प्रस्तुतियां संपन्न हुई, कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख्यात लोक गायक. शिव रतन यादव, हरगोबिन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे. विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभित गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी।

देवी सिंह राजपुत उपस्थित थे. विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशाभील गीठों से ओन-फेत प्रसृति दी। अधिकारी ने महिला सराविज्ञकरण का सदेश देने वाले गीठों की प्रसृति दी, बुदेलों और भोजपूरी में लोकगीत भी प्रसृत किये गये जिसने ब्रोताओं का मन मोह लिया. कवारों के तंज भरे बोल अंताओं को बान मोह लिया. कवारों के तंज भरे बोल अंताओं को बान मोह लिया. कवारों के तंज भरे बोल अंताओं को बुत्ताये नव्य को प्रतिविद्यालय के स्वर्ण जयनती सभागर में भारतीय शास्त्रीय नृत्य को प्रतिविद्यालय के स्वर्ण जयनती सभागर में भारतीय शास्त्रीय नृत्य को प्रतिविद्यालय के प्रदर्शन होते अध्योगित को मान लेने वाले प्रतिविद्यालय को प्रतिविद्यालय को प्रतिविद्यालय को प्रतिविद्यालय के अनुसार, सिकारिंग उपस्था प्रतिविद्यालय के स्वित्य का प्रतिविद्यालय के सिकारिंग के अनुसार, सिकारिंग अपस्थालय के सिकारिंग के अनुसार, सिकारिंग अपस्थालय के सिकारिंग के सिकारि रूप्हेंदर पचार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नूत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिमागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यवत करते

#### पाश्चात्य एकल एवं समूह गीतों की हुई आनंददायक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता समपून्न हुई इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तृतियां दी पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तृति दी। नियम के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय को 4 से 6 मिनट का समय दिया गया किसमें 2 मिनट स्टेज सेट करने के लिए समय दिया गया। सभी प्रतिभाषीयों ने अधीजी भाषा में अपनी प्रस्तुति दी प्रख्यात ग्रांक्य हि प्रशिन का एक्सेंट, पुलि गेहिंट्यों का लव मी लाक़ यू दु, अडेल का सेहिंग मुन द डीप जैसे चर्चित गाने प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर सभी श्रीता ज्ञुम उठी सभी विश्वविद्यालयों के





+

प्रदर्शनों ने कार्यक्रम में रोमांच का मारील बना रहा। कार्यक्रम में केवल प्रतिभागियों को अपनी कल और प्रतिमा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि यह उनके समर्पण और मेहनत को भी प्रदर्शित करने का एक मंच था। मंच संचालन सलोनी शर्मा द्वार किया गया. निर्णायक मंडल में डैनी शर्मा, राजेश कोट्रा, रेखा मुखर्जी उपस्थित थे. समन्वयक अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने निर्णायक मंडल को

#### क्रिज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्विन्त प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्ररूपों- पादम, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन किया गया। क्विज मास्टर के रूप में हू से पचारे तकनीकी आरोपाला का भाष राठक में स्तरण हरूपा गया क्रिया मारटर के रूप में हु स रायार स्वाधान स्विध्य हु साथा स्वाधान स्व पर्यवेक्क ब्री दोशक का ने न केवल प्राधीमाणियों से स्वक्रय रूप से जोड़े सखा। उनकी प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को सुरुआत से अंत तक मर्गरंजक बनाए स्खा परिणाम भी जाये किये गए जिससे दुनी दुर्गावती विश्वविद्यात्वय, जक्लपुर ने प्रथम, बनास्स हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहित्याबाई विश्वविद्यात्वय, इंदीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनी टीमी ने क्यूरीय युवा उत्सव के लिए क्रांलिकई किया।

#### 29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। ऑपमंच सभागर में सुबह 10 बजे परिचमी वाद्य रंब (एकल) प्रतियोगित का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से सिकट प्रतियोगिता तथा दोषहर 3 बजे से महाम तथा साथं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

## विश्वविद्यालयः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

गीर सागर। डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी



विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच

छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था। प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता



विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दशाया। आईटीएम विश्वविद्यालय, म्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था,पक्षपात और भाई-भतीजाबाद पर प्रहार किया। थीम सोशल मीडिया विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्ट्न के माध्यम से

रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों मीडिया स्रोज्ञाल और सकारात्मक

नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी पतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की

सजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है। जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समृह गान ('भारतीय) एवं समृह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तृतियां संपन्न हुईं। विश्वविद्यालय के स्वर्ण

जवन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई। नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवॉटत था। प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समृह गीतों की प्रतियोगिता समपन्न हुई। इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। पाश्चात्व एकल गायन प्रतिवोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई। जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। क्विज प्रतिवोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठय, ऑडियो और विजअल में रखा गवा था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया।

## विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुई

#### सजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

सागर(एसबीन्यूज)। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, देवी जागरा, देवा जाहरूपा विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल वन्देलखण्ड छतरपुर, विश्वविद्यालय. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती यूनवासटा, ग्वालियर, राना दुगावता विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालयं, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय. लखनऊ. ए.क. एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने



प्रस्तुत कर

स

पतियोगिता में काशी हिन्द विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम डॉ हरीसिंह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने

#### स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोंग्राफी। इस प्रतियोगिता में

कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेत् प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की

का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखें जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया।

#### सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टुनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'मोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन

### प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गईं. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कचिपुडी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथके की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरा और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते

#### क्रिज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्रिज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विज्ञाल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया।

#### 29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

www.vijaymat.com

भोपाल, शुक्रवार, २९ नवम्बर २०२४

### सागर-आसपास

# मृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

विगय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गीर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गीर-गीरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ

टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, विश्वविद्यालय, बरकतुल्लाह भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्युट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बन्देलखण्ड विश्वविद्यालय. छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम युनिवसिंटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,

जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी युनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस विश्वविद्यालय. वाराणसी के विद्यार्थी इसमें

प्रतिभागिता ŧ. विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें, प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल. जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय

सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी. इस प्रतियोगिता में कल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेत् प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे। विश्वविद्यालय के स्वर्ण

जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तृतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, म्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पश्चपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया।

### तीसरे दिन स्पॉट फोटोग्राफी, नाटक, कार्टूनिंग व गायन प्रतियोगिताएं हुई

## पुरानी चीजों से बनाए डेकोरेशन आइटम, कार्टून में बताया 'सोशल मीडिया का प्रभाव'



पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

डॉ हरिसिंह गौर Ť विश्वविद्यालय मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का संदेश दे रहे थे।

प्रतिभागियाँ व पुरानी चीजों से गार्डन को सजाने के लिए डेकोरेशन आइटम बनाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया के प्रभाव पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता में देशभर के 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्टून के माध्यम से प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह



#### धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा

तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुई। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को विखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंय पर जीवंत किया।

प्रतियोगिता युवाओं की आयोजित की गई थी। स्जनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

### आज की प्रतियोगिताएं

- गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा एवं दोपहर 3 बजे लोक आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा।
- अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।
- स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम एवं शाम 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित हैं।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलॉजएवंशाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

### देशभक्ति और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित समूह गान की हुई प्रस्तुति



विवि के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चाल्य) की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविंद (संह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किए गए, जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को, लुभाते नजर आए, होली गीतों ने भी कर्जा का संचार किया।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

## सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर विवि में युवा उत्सव का तीसरा दिन

सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के संदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के तीसरे दिन विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के कल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार



प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था। प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 वियवविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी के साथ एक वालटियर रखा गया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रलींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। आईटीएम विवि, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति क्यवस्था, पक्षपात और भाई भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा ने समाज में गालियों के बहुते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि भोपाल ने महाभारत की पृष्टभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विवि वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया। विक्रम विवि, उज्जैन के छात्रों ने वस्धैव कुटुंबकम के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर ने गिरिश कर्नांड के प्रसिद्ध नाटक हयवदन पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।

युवा उत्सव • कल होगा समापन, 23 विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी ले रहे हैं हिस्सा

## नाटक से दिखाई विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित प्रस्तुतियां भी हुईं

भास्कर संवाददाता सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता हुई। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों ने ऐसे प्रोडक्ट बनाए जो पर्यावरण को बचाने का संदेश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वर्ण जयंती सभागार में खींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हंयवदन' पर प्रस्तुति दी। जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तृति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।



#### सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टीनेंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में हुई कार्टूनिंग प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। थीम 'सीशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारत्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता

का प्रेंदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सौंचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सुजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

### देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान भारतीय एवं समूह गान पाश्चात्य को प्रस्तुतियां हुई। कार्यक्रम के दौरान बंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिवरतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत मौजूद थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला संशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के मीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया। स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया

विका में पृष्ठे गए रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न : इस विका प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों-पाट्य, ऑडियो और विज्ञुस्त में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में सफा किया गया। विका मास्टर के रूप में एआईयू से तकनीकी पर्वविक्षक दीपक झा ने न केवल प्रतिपागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पृष्ठे बल्क दर्शकों के लिए भी प्रश्न सखार उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप भी प्रश्न सखार परिणाम भी जारी किये गए। जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनासस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने दितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने ततीय स्थान प्राप्त किया।

#### आज यह प्रतियोगिताएं होंगी

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक, आदिवासी नृत्य होगा।
अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र एकल प्रतियोगिता होगी।
स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माहम तथा सार्य 5 बजे मिमिकी प्रतियोगिता होंगी।
आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलांज तथा शाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने दी विभिन्न प्रस्तुतियां

नवभारत न्यूज सागर 28 नवम्बर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में तीसरे दिन विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं.

स्वर्ण जयंती सभागार में सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विवि ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया. अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा ने गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को उजागर किया.



आवार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सके स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी मांगी गई जिसमें 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया

### आज यह प्रतियोगिताएं

गौर प्रांगण में 29 नवम्बर फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा. अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमक्री प्रतियोगिताएं होंगी

## विविः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

सता प्रधा क वामा
डॉक्टर हरीमिंह गीर विस्वविद्यालय,
सागर के संस्थारक मारात विकाशिक एक प्रकारत विभिन्नेता, संविधाना सम्प्रा के सरस्व एवं दानवीर डॉ. सर हरीमिंह गीर के 155 के नाम विवास के आवसर पर भारतीय विविध संघ (हु) नई दिल्ली के संयुक्त तत्थावध्यन में मध्य क्षेत्र अर्थातीव्यविद्यालयीन युका उत्थास 2024-25 गीर-मीरत उत्सम्ब 26 से 30 नामार 2024 का अर्थावीन विकास 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया 30 नवाय्यर 2024 तक आयामता कर्या जा रहा है, इस पूर्वा असल में मूल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रखीन्द्रनाथ टैगोर विवि रायसेन, बरकतुल्लाह विविद् भोगाल, ट्यालबाग एकुके जनल इंन्टीट्यूट, दंशालबाग, अगरा, देशी ऑलिन्स विविद् प्रदेश हैं. भीमराव अम्बेडकर विवि, आगरा, विक्रम विवि, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विवि एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल टेक्नातिका, अवध्य, महाराजा छवसात वृन्देरलखण्ड विचि, छतापुर, राजा मार्नीसंह तोमर संगीत एवं कला विधि, व्यालिका, आर्टिग्प यूनिवर्सस्टी, ज्यालिका, राजी-युगंबर्ता विधि, ज्यालपुर, राजीव गांधी प्रीसीमिकी विधि, पोपाल, इकिटर हरिसिंह भीर विधि, सगर, ठीक्टर हिरिसंह गीर विश्व, सागर, अस्पेक प्रताप सिंह विश्व, रोज, सागरण लेकसिटी पुनिवसिटी, भोपाल, जीवाजी विश्व, स्थातिस्य, भातदाव्य संस्कृति विश्व, स्थातात्र, एकं.सर. विश्व, सतना, एकंटलव्य विश्व, रमात, लक्ष्मीवाई पाट्टीच जार्रिकित शिका संस्थान स्थातिस्य, स्थामी विश्वेकानन्य सुभागति विश्व संरय,



रमन विवित, खंडवा विवित्त के विद्यार्थी इसरे प्रतिभागिता कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने

विधि के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर बेडित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'बेस्ट मेटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने प्राडस्ट क्लान स जो प्रवास्थ का बयान का सन्देश प्रवास का स्वास्थ प्रवासित से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस जिवि सत्तन, आईटीएम विबेद, खें हरीसित गीर विवि-राजीव गांधी ग्रीचोरियकी विवि चौपाल, जागरण लेकसिटी जिवि सोहत 14 विश्वविद्यालयों ने ग्रीलगांगिता की ठीवम कर ५० प्रिंगामीर्यों ने विश्वव कल ५६ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

व्यवशिकालय के गौर प्रांगण में पश्चारय समूह गीतों की प्रश्चिम सम्मान्न हुई ब्रह्मये प्रतिभागियों ने गीतों के मायाण में प्रेम, किमाना और देशणाव्यों गीतों की मायाण में प्रेम, किमाना और देशणाव्यों गीता की महानेवार की स्वाप्ताय पाना मायाण प्रित्यों मायाण मीत्रीमीता अभित्य स्वाप्ताय में मायाण प्रतिभागित की मार्चित हैं सित्य का समा प्रित्य की स्वाप्ताय की नहीं के किन्द्र का समा प्रित्य का समा प्रित्य मायाण किमाने में मार्चित कर प्रतिभागित की प्राप्ताय का स्वाप्ताय की स्वाप्ताय का स्वाप्ताय का स्वाप्ताय के अपनीय प्रत्य के अपनीय का प्रतिभागित की प्रत

स्पेंट फोटोग्रापत्री में प्रतिभागियों ने लिए आराज्येक छप्रयादिञ स्पोर फोटोग्राको प्रतिश्वीगता में प्रतिशाकि को कारोग्राको की कारोग्राको हिम्म म्याट फोटोग्राको प्रतिश्वीगता में प्रतिशामिको के कारोग्राको हिम्म नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच के प्रतिभागियों ने भाग लिख. प्रतिशीगता

फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे। विभाजन की जासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक क्रीतियों

पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां हुई विवि के स्वर्ण जयनी सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुई (स्वीदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन औ रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. जान को मामिक कहाना की दशाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवयेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन

विवज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

और उनके दुश्रभाव को हास्वपूर्ण हंग से उनागर किया। गातियों के स्थान पर कुते के भीकने की आवाज का प्रचीग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी ग्रीग्रोगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने प्राधामका विश्वविद्यालय, भाषाल न महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में बुद्ध के दौरान पांडको और कीरकों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्ध को क्रेश गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन विभाजन को जासदों को सआदत इसन मंद्रों जो कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जीन के छात्रों ने 'वसुर्थव कुटुबकम' के विचार, सती प्रधा और विकसित भारत के विषयों को मंच पर प्रस्तत किया।

प्रतिभागियों ने दी भारतीय शास्त्रीय

की 12 में 15 मिनट के समय का आवर्टिंग, का क्रियोंनिय में कंपकारी, परनाटफा-मंगियुरी, क्रियुरी मारांचीय नृत्य सीत्रियां का अपनी किया गाय, अधियोंनिय क्रियांनी के अनुसार, निर्माणित क्रियांनी का उपयोग पूर्ण करा के ठीनियां कियांग्रिक मंत्रत में कंपका की प्रकाद किरोप्ता का किराने पुरास्ता के क्रियांनी कराकार श्रीमती गार्मीत्य निर्माण सेव्या और क्रियोंनीता भारतीय सर्वाद्य और क्रियोंनीता भारतीय सर्वाद्य और क्रियांनीता भारतीय सर्वाद्य और क्रियांनीता भारतीय सर्वाद्य और क्रियांनीता भारतीय सर्वाद्य और क्रियांनीता भारतीय क्रियांनी क्रियांनीता भारतीय

www.vijaymat.com

भोपाल, शनिवार, ३० नवम्बर २०२४

### सागर-आसपास

## लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन में प्रतिभागियों ने दी अभिव्यक्ति

विजय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, सविधान सभा के सदस्य एवं टानबीर हाँ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग

ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट दयालबाग, आगरा आदि हैं। विश्वविद्यालय के अभिमंच मधागार में वेस्टर्न इंस्टरुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जाद विखेरा जिससे माहौल पुरी संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की



गुँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्टा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में हाँ हरीसिंह गौर

लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की ज्ञलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले. विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट

कागज से कोई सुसज्जित पोर्टेंट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में समन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे. बदलते मानवीय संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कई छात्र मौजद थे।

# सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन



सागर, देशबन्ध्। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर आयोजित गौर गौरव युवा उत्सव का तीसरा दिन सृजनात्मकता, कला और संस्कृति के प्रदर्शन का प्रवीक रहा। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में देशभर के 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। आचार्य शंकर भवन में पूर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनूठी इंस्टालेशन प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने

वेस्ट मैटेरियल से पर्यावरण बचाने के संदेश देने वाले उत्पाद तैयार किये। इसमें 14 विश्वविद्यालयों के 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी और आईटीएम यूनिवर्सिटी प्रमुख रहे। युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की खयाचित्रण पर आधारित स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को अपनी कलात्मकता दिखाने का मंच प्रदान किया। 11 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पांच-पांच फोटोग्राफ्स के माध्यम से

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्वर्ण जवंती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें सामाजिक मुद्दों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विभाजन को त्रासदी जैसे विषयों को छुआ गया। आईटीएम युनिवर्सिटी ने जातिवाद और पक्षपात जैसे मुद्दों पर प्रहार किया। बीएचयु वाराणसी ने विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से जीवंत किया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने गिरिश कर्नांड के प्रसिद्ध नाटक हयवदन को बुंदेलखंडी रंग में प्रस्तुत किया।

#### सोशल मीडिया पर कार्टनिंग प्रतियोगिता

23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने सोशल मोडिया का प्रभाव विषय पर कार्ट्निंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को रचनात्मक रूप से दर्शाया। स्वर्ण जवंती सभागार में आयोजित भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में कचकलो, भरतनाट्यम, मणिपुरो और कुविपुड़ो जैसी नृत्व शैलियों का प्रदर्शन हुआ। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

#### पाद्यात्य संगीत की धुनों पर झमे दर्शक

गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गोतों और अभिमंच सभागार में एकल गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने एड शीरन, अडेल और एलि गोल्डिंग के लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किये, जिससे दर्शक झूम उठे। क्रिज प्रतियोगिता के दौरान तीन प्रारूपों पाठ्य, ऑडियो, विजुअल में प्रश्न पूछे गये। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल कर राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिये क्वालिफाई किया। आज फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक आदिवासी नृत्य, पश्चिमी वाद्य यंत्र, स्किट, माइम और मिमिक्रो वैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित होंगे। रंगोली, मेहंदी और कोलाज प्रतियोगितायें भी होंगी। यह उत्सव न केवल प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सुजनात्मकता को भी बढ़ावा दे रहा है।

विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी,आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई

## लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति



का सम्मान किया क्या।

कापण संकट्या

सागर। उर्जवर हमीसंह गीर विश्वविद्याल्य, सागर के संस्थापक सज़न शिखांविद एवं प्रध्यात
विधिप्रेशन, उर्जियान सभा के सदस्य एवं दानवंदा जी. सर हमीसिंह गीर के 155वें बना दिवस के
असमर पर भारतीय विश्वविद्यालय मंत्र में इंटिंग की संयुक्त तत्वव्यानमा में सम्यो
असमर पर भारतीय विश्वविद्यालय मंत्र में इंटिंग की संयुक्त तत्वव्यानमा में सम्यो
असमर पर भारतीय विश्वविद्यालय मंत्र में इंटिंग की स्वाव्याल त्यावस्थान में स्वाव्यालय के स्वव्यालय के स्वाव्यालय के स्वाव्यालय के स्वाव्यालय के स्वव्यालय के स्वाव्यालय क

#### गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंत्र सभागार में बेस्टर्न इंस्ट्र्मेंटल (सोली) प्रतिविद्याला में प्रतिभागियों ने पाष्ट्रवालय भूनों को प्रस्तुति को और अमनी करण का जाड़ बिक्केश किससे माहौल पूरी तरह संगीतमय है। गया। इस प्रतिविधिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिया की. मुर्जे और स्वयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में वास्त्रियों की गूँन रही दिससने प्रतिभागियों का उत्साह और बहा दिया।

#### नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गीर प्रांगण में फोक ऑक्सेंस्ट्रा प्रतिबोधिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजित किया गया। फोक ऑक्सेंस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने व्यक्ती शिवा है इस कार्यक्रम में डॉ. हर्डीबंह गीर विश्वविद्यालय सागर ने बुटिलवर्डिक के लोक धून व्यायकी नगड़ा, ब्लंस्ट्री, तबला, आर्टि से सुर्सावन्ता प्रसृति दो. इस प्रतिवोधी में भारतीय मान्स्तिक शिवाब को झलक मिली. भारतीय परेसरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक बाह्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

#### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलोंज

विस्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉन प्रतिशोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतिशोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 भटे. समय का आवंटर दिवा गया निससे उन्हें अध्ववस की करते और सेस्ट स्वातन से कोई सूस्वेंग्जन पाँडेंट बनानी थी, राज मान सिंह तोसर देवलविद्यालय स्वातिवर ने भगत सिंह का विद्याल किया. नेसेट्टेंब कृति एवं ग्रीडोगकों विश्वविद्यालय ने एक समृद्र के किनारे का दूरय का चित्रण किया, निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि हास्त्री, डॉ. प्रीत कोहली उपरिथत रहे.। बदलते मानवांच संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्रों को रेखांकित किया । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट





प्रतिपोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतिपोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुई जिनमें विभिन्न विक्यविद्यालयों ने सामजित मुद्दों पर हस्य प्रस्तुति दी। एकेएस विक्यविद्यालय स्तता ने अष्ठाच्या पर तंत्र किया और अधित्याखाई व्यविद्यालय इंदौर ने सोस्तर मंडिया स्टेन्फिस में इस्ताम रीतन बनाने और देखने वालों पर हस्य के साथ जांग किया जारण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्य की कनाने और देखने वक्तों पर हस्य के साथ ब्यों किया। जागरण लेक सिटी भोगात ने एक वेश्य की का बटो की शिक्षा डिलानों के लिए संस्थेत का विश्वण किया। सफतुल्ला विश्वसंख्यालय बोधाल ने का बेरो कागरी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सत्कारों और मीडिया के तीर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और चित्र्यों के साथ हो रहे अस्पाध मे पेस्पाध, व्यंत्राची मान्यीय सम्बद्ध, मा की मान्या तेशिकों रहे, को एक की स्वच्छत और राजनीतिक हम्बकड़े, सत्कारी विभागों के कागों के बुलमूल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निवायक मंडल में मीहन कांत, राजीव ठाउँर और श्रीट्याल थे. कार्यक्रम में व्यंत्र के युव छत्र हरीश दुर्व (पुलिस अधिकारों) और सीचन नाक्का टीवी विद्यापन ऑभनेता) भी साम्मांत्रत हुए। सभी कर सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानो हुए। किया गया।

#### प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हस्यों में मेहंदी लगाई, प्रतिविधिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.

#### मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयनती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिरता। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माझ्य के माण्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाब-भाव, हाहिरिक हरकतों और चोहरे के भावों के जिस् प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए। विशेष कम से रोमांचक और यादगार बना। बिना हाब्दी के, केवल हरीर की भाषा और चोहरे के वदाव के जरिए खत्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीप भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं



केसरिया बालम प्रधारो म्हारे देश.... ...लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्यविद्यालय के तौर प्रांगण में समृह लोक नृत्य को अभिनव प्रस्तुतियां दी. लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें विसरी इलेक्ट्रॉनिक बाद्य यन का प्रयोग वर्जित था. प्रतियोगिता के दौरान पर गों प्रांगण दर्जियों से भग्न हुन्य का था. इन प्रस्तुतियां में राजस्वानी, बुदेशी, क्रतीसम्बंही स्तित कई लोक परंपालयों में ममृत हुन्य को प्रस्तुतियां दी यहीं इन प्रस्तुतियां के प्रांग हम्मृत्तुत्यां के प्रस्तुत्या दी यहीं इन प्रस्तुत्यां के समृत देखान कर्जियों के प्रस्तुत्वा से प्रमुख क्षित्र कर कर कर विसर्ध के क्ष्य के प्रस्तुत्वा देखान के राजस्वान के राजस्वान कर का प्रस्तुत्वा के प्रमुख के प्रस्तुत्वा के अपने द्वीपन में कहा कि युवा उत्साव बुताओं की दस्तुत्वाला के प्रमुख स्वत्वान कर की स्तान कर कर के प्रस्तुत्वा के का अवसर उत्स्तुत्वा कर का ती है स्ति है से प्रस्तुत्वा के अवसर उत्स्तुत्वा कर का ती के उत्स्तुत्वा के अवस्तुत्वा कर का कर कि प्रस्तुत्वा के अवस्तुत्वा कर कर कर के प्रस्तुत्वा के अवस्तुत्वा कर के अवस्तुत्वा कर के अवस्तुत्वा कर के प्रस्तुत्वा कर के प्रस्तुत्वा कर के प्रस्तुत्वा कर स्त्रुत्वा कर स्त्रुत्वा कर सामित सम्प्तुत्वा कर सम्प्रमुख स्त्रुत्वा कर सम्प्तुत्वा कर सम्प्तुत्वा का स्त्रुत्वा कर स्त्रुत्वा कर सम्प्तुत्वा कर सम्पत्त्वा सामन सम्पत्ति का विश्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा सामन कर स्त्रुत्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा सामन कर स्त्रुत्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा सामन सम्पत्ति आवश्य अपनित्वा के सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा सामन सम्पत्ति आवश्य कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा कर समृति विषय स्त्रुत्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्त्वा सामन कर स्त्रुत्वा कर सम्पत्त्वा कर सम्पत्

### अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में दिखी भारतीय सांस्कृतिक की झलक केसरिया बालम पधारो..ने बांधा समां, लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूळ अभिनय में प्रतिभागियों ने दी शानदार प्रस्तुति

नवदनिया प्रतिनिधि. सागर : दानवीर हा. सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस उपलक्ष्य में आयोजित क उपलक्ष्य म आयाजत अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में शुक्रवार को प्रतिभागियों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने मजबूर कर दिया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में पाश्चात्य धुनौं की प्रस्तुति दी और कला का जादू विखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। विवि के गौर प्रांगण में फोक आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता की गई। फोक आर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में विविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले। विवि के





सागर । युवा उत्सव के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देती हुई छात्राएं । • नवदुनिया

प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से सुसज्जित पोर्ट्रेट बनानी थी। राजा मान सिंह तोमर विवि ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी

आचार्य शंकर भवन में कोलाज विवि ने समुद्र के किनारे का दृश्य का प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डा. सृष्टि शास्त्री, डा. प्रीत कोहली उपस्थित रहे।

लैंगिक भेदभाव जैसे कई मुद्दों

विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16

प्रस्तुतियां हुई जिनमें विभिन्न विवि ने प्रस्तुतिवा हुई जिन्म विपन्न विपित्त म सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने प्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। बरकतुल्ला विवि ने शिक्षा, बेरोजगारी और



सागर। नाटक के माध्यम से प्रतिभागियों ने कई विषयों पर जागरुक किया। • नवदुनिया

महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा। मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान. महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मौं की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे इत्यादि विषयों को

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लंगाई। इस प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालये के प्रतिभागियों ने भाग लिया। विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार अभिनय का प्रदर्शन देखने को मिला।

प्रस्तुर्तियों ने समां बांधा विवि के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दी। लोक नत्य का समय ८ से १० मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रानिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था। प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था। इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगदी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता में पर्व विधायक पारुल साह अतिथि के रूप में पद्यारी जिनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि युवा उत्सव यवाओं की रचनात्मक और मृजनात्मक गतिविधियौ में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि डॉ . गौर ने शिक्षा के लिए इतना बडा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालयं के रूप में स्थापित है। मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूं।



# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर दिनकर

डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव २०२४-२५ 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि रायसेन, बरकतुल्लाह विवि, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विवि, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि, आगरा,विक्रम विवि, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विवि एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं विवि, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विवि, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विवि, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विवि, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विवि, लखनऊ, ए.के.एस. विवि, सतना, एकलव्य विवि, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विवि, मेरठ, बनारस हिंदू विवि, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विवि, खंडवा विवि के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर

#### गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में बेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

#### नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑकंस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑकंस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है। इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने वृदिलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक बाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले। कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुम्रिज्जत पोटेंट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया तरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे।

#### अपराध और क्षष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेज्या की बेटी को जिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय



सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के दुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राजैर और श्रीदयाल थे। कार्यक्रम में बिबि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (दीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

#### प्रतिमागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानबीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और सदेशों और चेहरे के भावों के जिएए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जिरए छात्रों ने समाजिक मुद्दें, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रत किया।

सोसायटी



पत्रिका

सागर, शनिवार, 30 नवंबर 2024

#### केसरिया बालम पधारो म्हारे देश...लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

## स्किट में दिखा इंस्टाग्राम रील्स बनाने व देखने वालों पर व्यंग्य, एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण



patrika.com

सागर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. हिर्सिंस्ह गोर विविव में मध्य श्रे अंतरिक्षयविद्यालयीन युवा उत्सव के चौथे दिन शुक्रवार स्वर्ण जयंती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्रों पर हास्य प्रस्तुति। देवी अष्ठिल्याबाई विश्वविद्यालयं इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंटराग्राम गील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग्य किया।

लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुझें पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों





पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मां की ममता, राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के दुलमुल तरीके इत्यदि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा।

#### गिटार व ड्रम्स पर दीं धुनों की प्रस्तुतियां

पुराण के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंट (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कला का जादू बिखेरा। वहीं गौर प्राण्ग में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विचा है। जिसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने खुंदेलखंड की लोक धुन वाद्ययंत्र नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुस्तिजन्त प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक

#### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलाज

आचार्य शंकर भवन में कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और खराब कागज से कोई सुस्रिज्जत पोट्रेट बनानी थी। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णादक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सुन्टि शास्त्री, डॉ ग्रीत कोहती उपरिश्वत रहे। वहीं आचार्य को विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के



शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया।

#### लोकनृत्यों की प्रस्तुति

गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां हुई। लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था, जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्र का प्रयोग वर्जित था। प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था। इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, खुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह जृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।केसरिया बालम पधारो म्हारे देश... जैसी प्रस्तुति से तालियों की गडग़ड़ाहट से सभागार गूंज उठा।

### प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने की प्रतिभागिता

# लोक नृत्य प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति



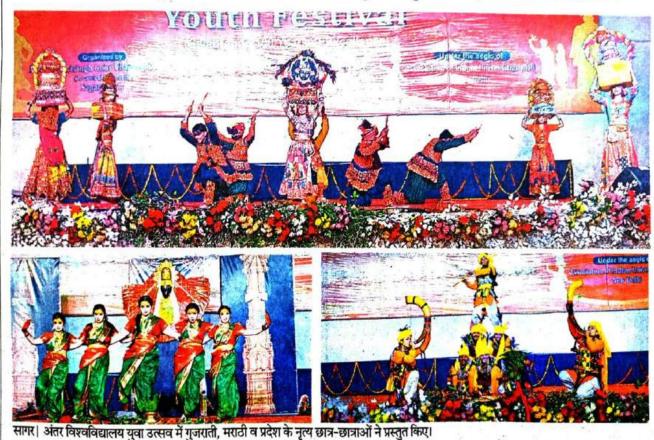
सागर / आरएनएन

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक और महान दानवीर डॉ सर हरिसिंह गौर के 155वें जन्म दिन के मौके पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सागर में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का आयोजन किया गया है। इस युवा उत्सव में प्रदेश समेत अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों से आए कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के चौथे दिन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला आदि

से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से पोर्टेट बनाई।

स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर सस्य प्रस्तृति दी। आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने हाथों में आकर्षक डिजायन बनाकर मेहंदी लगाई। इस प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वर्ण जयन्ती सभागार में मुक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फहाव भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तृत किया। छत्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। प्रांगण में समृह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगड़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण युवा उत्सव का समापन समारोह आयोजित है जिसमें सभी विधाओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जाएंगे

### अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव में छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत कर दिखाए अलग-अलग रंग



## युवा उत्सव में नाटक से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश



प्रहसन और मुक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर(एसबीन्यूज)। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गीर-अतरायस्वायवायात्यान चुवा उतस्य 2024-25 'गारगारित उत्सय '26 से 30 नवास्य 2024 नक अयोजित
क्रिया जा रहा है। इस चुवा उत्सव में कुल 95प्रतिसागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के स्वीन्द्रनाव देगार
विस्थविद्यालय रायसेन, बरकतुरुत्तात विस्थविद्यालय,
भोगाल, द्याल्यामा पुजकत्तान इंग्टर्सपुट, द्याल्याम्,
अगगा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, आगगा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, आगगा, हिक्कम विश्वविद्यालय, उन्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेवनोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटोएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीय गांधी ग्रीद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर

0 0

विश्वविद्यालय, रोवा. लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातस्वण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकतस्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीवाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, गेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.बी. रमन

#### इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं। गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने

विद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रात कोहली उपस्थित रहे. विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट

नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तृतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑकेंस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑकेंस्ट्रा लोक संगीत को जावंत रखने वाली विश्व है इस कार्यक्रम में डॉ. हरोसिंह गीर विश्वविद्यालय सागर ने खुँदेलखंड के लोक धून बाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसन्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जलक मिली भारतीय प्रांपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक बाद्य यंत्र के प्रयोग देखने की

#### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलोंज

विक्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता अध्यक्षि की फारिया आर वरस्ट कागज से कोई सुसन्जित पोर्टेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया, न्रेंद्रदेव क्षि एवं प्राधानका विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का विश्वण किया. निर्णायक के रूप में सुमन

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तृतियां हुई जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य

प्रस्तृति दी. एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंत्र किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोजल मोडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालीं पर झस्य के साथ व्यंग किया।

#### प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं **डिजाइनटार मेहंटी**

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित को गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हार्यों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के

प्रतिभागियों ने भाग लिखा. मुक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानबोय संवेदनाओं का चित्रण विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मुक

अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने मात्रम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दशंकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल

शरीर को भाषा और चेहरे के उतार-चड़ाव क जारए छात्रों ने समाजिक मुद्दी, मानवीच भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहल्यों को प्रभावशाली वरीके से चित्रत किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की.

#### के सरिया बालम पधारो म्हारे देश.....लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समह लोक विश्ववाद्यालयं के गरि प्राणं में समूह लोक तृत्व की अभिनव प्रतृतिवर्ध दीं. लोक तृत्व का समय 8 मे 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रीनिक वाह्य वन्त्र का प्रयोग वर्जित था. प्रतिवर्धीगति के दीयन पूरा गीर प्राणं दर्जिकों से भय हुआ था. इन प्रसृतियों में राजस्थानी, बुंदेली, डलीसगढ़ी सहित लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी

. इन प्रस्तुतियों के समय दौरान शहर के गणमा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, निर्मारक, विश्वावकारण के निरावक, कमचारण, अधिकारियों एवं उनके परिवार भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू अतिथि के रूप में पधारी जिनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया. इस अवसर स्भात चिन्ह स स्थागत किया गया. इस अवसर उन्होंने अपने इद्योधन में कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सुजनात्मक गतिविधियों में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है. उन्होंने सभी को गुणकामानाएं दी. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है, मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रल दिए जाने की अपील करती हैं और समाज से आवाह करती हुँ कि ऐसे महान दानवीर, शिक्षाविद और समाज सुधारक को भारत रत्न दिलाने की मुहिम में

सतामत हा. 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय के गीर प्रोगण युवा उत्सव का समापन समारोह आयोजित है विद्यास सभी विधाओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किये वार्येगे।

### लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

हरिभमि न्यूज 🕪 सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्व विद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरव **श्विवद्यालयीन युवा उत्सव 2024-**25 गौर-गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस यवा उत्सव में कल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन. विश्व विद्यालय, बरकतुल्लाह भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्व विद्यालय, आगरा, विक्रम विश्व विद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतर पुर, मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबल राजीव गांधी प्रौद्योगिकी



विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा,जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्व विद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्व विद्यालय, सतना, एकलव्य विश्व विद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्व विद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्व के विद्यार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं।

अभिमंच विश्वविद्यालय के सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और

अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया। गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया।

फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले।

### <mark>लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक</mark> अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिशाविद् एवं प्रख्यात विधियेता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर हों. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईय्) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सय 2024-25 'गीर-गीरव त्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ हैगोर विश्वविद्यालय रावसेन, बरकतुःबाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टोट्यूट, दयलबाग, आगरा, देवी अहिन्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, म्बालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्यागिकी



विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, मागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवसिंटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर,

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंद विश्वविद्यालय, वाराणमी, डॉ. मी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

गिटार, पैड, इम्स पर दीं पाश्चात्व धुनों की

इंस्टर्सेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्व धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जाद विखेरा

जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की मूँज रही जिसने प्रतिभागियों का अनगर और बता दिया।

नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तृतियां : विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोब

ऑकेंस्टा प्रतियोगिता आयोजित को गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑकेंस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने ब्देलखंड के लोक धून वाद्ययंत्रे नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसन्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक बाध यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

कराभ शाम में भागीबित

## विवि : प्रहसन से उभारे ज्वलंत और सार्थक मुद्दे

जागरण, सागर।विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों



और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियानए महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे

अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मां की ममता और स्नेह आदि को रेखांकित किया।

### गौर गौरव उत्सवः लोक कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत संगम



सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. हरीसिंह गौर के 155 वें जन्मदिवस पर आयोजित यह उत्सव 26 से 30 नवंबर तक आयोजित हो रहा है, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

अभिमंच सभागार में आयोजित वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल सोलो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने गिटार, पैंड और ड्रम्स पर पश्चात्य धुनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। धुनों और लयब प्रदर्शन ने सभागार में तालियों की गुंज



के साथ एक संगीतमय माहौल बना दिया। वहीं फोक ऑकेंस्ट्रा प्रतियोगिता में नगाड़ा, बांसुरी और तबला जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोक संगीत की जीवंत प्रस्तुति दी गई।

गौर प्रांगण में आयोजित समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में राजस्थानी, बुंदेली और छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं के नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वर्ण जयंती सभागार में मूक अभिनय प्रतियोगिता के जरिये छात्रों ने सामाजिक मुद्दों और मानवीय भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। आचार्य शंकर भवन में आयोजित कोलॉज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अखबार की कतरनों से आकर्षक चित्र बनाये। मेहंदी



प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दुल्हन मेहंदी के थीम पर खूबसूरत डिजाइन तैयार किये। स्किट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों पर हास्य व्यंग्य के माध्यम से संदेश दिया। आज समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।

इस अवसर पर अतिथि वकाओं ने डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रब दिये जाने की अपील करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। गौर गौरव उत्सव भारतीय संस्कृति, कला और युवाओं की रचनात्मकता का अद्भत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे- न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

## मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है,अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें : कुलपति

सला सहार 🛊 राजर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेता, सर्विधान सभा के सदस्य एवं दानवीर हॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उतसव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भार लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छत्र और मंदसीर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुवे थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गीर को प्रतिमा पर माल्यापण कर कार्यऋम की शरुआत हुई. इस दौरान एआईय पर्यवेशक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेशक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत पाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने यवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तत किया।

. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुवे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ अम करना चाहिए, उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए, सदैव कमंशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पका इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है तीव इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए, अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रे. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ.



व्यापक स्वरूप में संभव हो पाया क्योंकि उनकी

प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चनीतियां आसान हो जाती हैं.

का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव इस भावना के

साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों

ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस

वायोजन को सफल बनाया है प्रतिधारियों को

अंति करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हर जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम

से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनापा है. हर एक व्यक्ति के

पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब

मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा

को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आएके

आर्केस्टा. स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा

में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर

ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप

रहा। युवा उत्सव के दौरान पाँच समृहों में समृह नृत्य

(भारतीय), समूह नृत्य (पाञ्चात्य), फोक ऑकॅस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन

एकल (पक्यूंशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पक्यूंशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी

या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल),

एकांको नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस,

माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण,

पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडिलंग, कार्टुनिंग, मेहंदी,

कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में

डॉक्टर हरीसिंह

लय,सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक

चुमेगी।

प्रतिवीमताएं आर्थीनत की गई। ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली. अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी पटान की गर्ड पतियोगिता के अन्य परिणाम हम प्रकार है।संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता-देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कणगोपाल त्रीवास्तव ट्रॉफी, फस्टं रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विष्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय नबलपर को शरद ताला टॉफी प्रदान की गयी। इस श्रेणी के क्लासिकल बोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातरवंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम म्बालियर तीय, क्लासिकल इंस्ट्र्मेंटल सोलो (पर्कशन) में र्वे हरिसिंह गीर विश्वविद्यालय सागर प्रथम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुम्बह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनक प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तीय, लाइट बोकल (इंडियन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालियर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एनुकेशनल इस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठद्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ईटीर तृतीय, युप सॉन्ग में स्वात्वाया एकुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, गर्नी द्वात्वात्वा राजविद्यालय कि विश्वविद्यालय के अलिएड द्वितीय, नेक ऑफेस्ट्रा में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवीदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवीदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, एकं.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न इंस्ट्र्येटल सोलो में देशी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जोजाजी विश्वविद्यालय ग्लालयर द्वितीय, रवसन्त जोजाजी विश्वविद्यालय ग्लालयर द्वितीय, रवसन्त मार सहन एक्स्ट्रेस साना तृतीय स्थानय पर होरे स्थानय स्थानय पर होरे स्थानय पर होरे स्थानय स्थानय पर होरे स्थानय पर होरे स्थानय पर होरे स्थानय स्थानय स्थानय पर होरे स्थानय स्थाय स्थाय

#### नाद्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता

डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को रयामकांत मिश्र ट्रॉफी, फररें रस अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनराभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रतर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेप्स खिंच सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई।इस ओणी के वन-एवट पोनें गाजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय स्वालस्य प्रथम, जे. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, एके एस विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर हितीय, देवी ऑहिल्या विश्वविद्यालय ग्वालियर हितीय, देवी ऑहिल्या विश्वविद्यालय ग्वालियर हितीय, देवी ऑहिल्या विश्वविद्यालय ग्वालियर हितीय, वेवी ऑहिल्या विश्वविद्यालय हेवीर प्रथम, जी हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय हेवीर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय हेवीर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय व्यंतिस्यर हितीय और और और व्यंत्यव्यं व्याणमती ततीय स्थान पर रहे।

फाइन आरसे अंभी में आंबर ऑल विजेता-बीएचयू बारामसी को हिल कुमार श्रीवास्तत द्राँभी, फस्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरत एवं डॉ. भीमगत अन्बेक्डल निवि आगण को विवेक दत्त झा ट्राँभी, सेकेण्ड रनर अप विकम विवि उज्जैन बू राजा मानीसंत तीमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्राँभी प्रदान के मेर, इस श्रेणी के को विवेक दत्त झा ट्राँभी प्रदान के मेर, इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेटिंग में बीएचयू बाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, द्यालबाग एजुके-झनल इस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू बाराणसी प्रथम, राजा मान सिंत तीमर विश्वविद्यालय ग्रांतिय स्वितेय रेवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंटीर तृतीय, पेस्टर मेकिंग में

#### नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता

देवी अहित्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाउळ ट्रॉफी, फरर्ट ननर आप फोफ्स विश्वविद्यालय स्तत्त्र को अंग मुक्ती ट्रॉफी और सेकड रनर अप डॉ. हर्गीसंह गौर विश्वविद्यालय को सुबीत्याल रेकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी, इस सेनी के फोफ ट्राइबल डांस में ए.के.पस. विश्वविद्यालय सतन प्रथम, देवी अहित्या विश्वविद्यालय सतन प्रथम, देवी अहित्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलक्ष्य में देवी अहित्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलक्ष्य विश्वविद्यालय दमोह हितीय, भातखाँड विश्वविद्यालय लखन्छ, दुनीय रसानी पर रहे.

#### साहित्यिक विधा में ओवरऑल विजेता

देवी अहित्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद मुख दोंकी, फर्नर उनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड उनर अप बनार मिंदू मांवती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी, इस अणी के क्रिका में नारी चूर्वाकी विश्वविद्यालय असन्तुर प्रथम, बीएवयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहित्या विश्वविद्यालय असन्तुर प्रथम, बीएवयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहित्या विश्वविद्यालय अर्थान्य मुख्यालय अर्थान्य मुख्यालय अर्थान्य निर्माण के अर्थान्य कार्यालय अर्थान्य विश्वविद्यालय अर्थान्य विश्वविद्यालय अर्थान्य हित्याल (अर्थ) में देवी अहित्या विश्वविद्यालय अर्थान्य इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय व्यक्तिय हित्यालय अर्थान्य देवीर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय व्यक्तिय के अर्थान्य ने नेदेवी अर्थान्य व्यक्तिय के अर्थाय नेदेवी व्यक्तिय नेदेवी विश्वविद्यालय व्यक्तिय के अर्थाय नेदिव व्यक्तिय नेदिव विश्वविद्यालय व्यक्तिय क्षत्रिय नाम पर रहे।

विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉर्डलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्ट्निंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचय वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदीर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय

### डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गौर गौरव उत्सव का भव्य समापन

सागर. देशबन्ध। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान शिक्षाविद डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस पर गौर गौरव उत्सव का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 26 से 30 नवंबर तक आयोजित इस मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।



मेंच पर एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने और कठिन परिश्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और प्रका इरादा जीवन में सफलता का मूलमंत्र है। सकारात्मक सोच और अच्छे विचारों से व्यक्तित्व और राष्ट्र का निर्माण होता है। कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन डॉ. गौर की प्रेरणा से संभव हो पाया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।

#### डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की शानदार उपलब्धियां

इस युवा उत्सव में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक रैली, फोक ऑर्केस्ट्र और स्किट में प्रथम स्थान हासिल किया। थियेटर विधा में ओवरऑल विजेता का खिताब भी विश्वविद्यालय के नाम रहा। ओवरऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

#### प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम

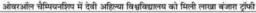
संगीत श्रेणी: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया। नृत्य श्रेणी: ओवरऑल विजेता का खिताब भी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर ने जीता। थियेटर श्रेणी: डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ओवरऑल विजेता रहा। फाइन आर्ट्स श्रेणी: बीएचयू वाराणसी को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया।

#### अतिथियों ने की आयोजन की सराहना

समारोह के दौरान प्रतिभागियों और दल प्रबंधकों ने आयोजकों के उत्कृष्ट प्रबंधन और सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, जबिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एसपी उपाध्याय ने दिया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ और गौर गौरव उत्सव विद्यार्थियों और दर्शकों के लिये एक प्रेरक और यादगार अनुभव बन गया। <mark>आयोजन ।</mark> मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

## कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश दुबे

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात उद्येवरर हरियास गीर विश्वविद्यालयन, समार के संस्थापक महत रिवाबिंद एवं प्रवक्तत । विभिन्नेता, संनिधान मार्च के स्टारण एवं वानशी जी. सा त्रिमीर गीर के 155 जिन्म दिख्य के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालयने यूव करना 2024-25 में स्टेन्स इन्तर 26 के ज्ञासस् 2024 तक आयेशित किया गया. यूवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के मृत 955 प्रतिभागियों ने भाग निवाद, समारान भागति के मृत्यु अर्थित विश्वविद्यालय के प्रण वाज और स्टेन्सिंग की के प्रथान नायाकीय गायाना दूवें थे. कार्यक्रम को अभ्यावता विश्वविद्यालय की कुल्परीत ही. तीतिया गुण ने की. अतिविध्या हाई स्टेनस् एवंद्राविद्यालया की कुल्परीत ही. तीतिया गुण ने की. अतिविध्या हाई इस रोजन एवंद्राविद्यालया की स्टेनस्य स्टेनस्य माराव्यावित कर कर्मक की सुरुवात हुई इस रोजन एवंद्राविद्यालया हुई इस





विशेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ हितीय, देवी ऑहल्या विश्वविद्यालय होटीर तृतीय, हुए सान्य बेस्टर्न में दश्यताबार एजुकेरानल हीस्टर्युट आग्राय प्रथम, वानी टुपॉक्टरी विश्वविद्यालय जकल्युस हितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंटीर हुतीय, परेक्ष आधीरहु में डॉ. हुर्विरेश गीर विश्वविद्यालय सारार प्रथम, रावीदनाथ टेगेर विश्वविद्यालय राजसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय स्टब्स्ट्र तृतीय, वेस्ट्र इस्ट्र्मेंटल स्त्रोलों में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंटीर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय म्वालियर द्वितीय, स्यालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय

मिन्द्र में ही हॉरिसंत गीर विश्वविद्यालय समार प्रथम, राज भान सिंह तोमा विश्वविद्यालय चलिएय दिलीय, देवी औहल्या विश्वविद्यालय इंटीर रहती, साधामें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंटीर प्रथम, डी. हॉरिसंत गीर विश्वविद्यालय सार दिलीय, विक्रम विश्वविद्यालय उर्जन तृतीय, मिम्र्यकों में देवी औहल्या विश्वविद्यालय इंटीर प्रथम, उत्ताम ना किंद तोमा देवाविद्यालय चलिएस दिलीय को में केप्ट्रण व्याव्यालय तृतिय स्थान रह है प्रथम, उच्चा में किंद तीम देवाविद्यालय व्याव्यालय के हैं प्रश्न के स्थान स्थान स्थान के स्थान के स्थान स्था

#### दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक

एकेरस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देखें ऑहरचा विश्वविद्यालय, राजा मानीसंह तीमर संगीत एवं करता विश्वविद्यालय के दल प्रक्रेशकों ने प्रोडकिक प्रसुत किया। इन सभी ने अपोजक विश्वविद्यालय की मेतकानी, स्वागत, सकस, पीजन, आक्सा, तकनीकी सरकोंग एवं अन्य स्थे तहां के सरकी के लिए आभार तकारण, प्रकेशस विश्वविद्यालय की मेतकानी, स्वागत, सकस, पीजन, आकर्ष आकेंद्रा की प्रसुति दी। कार्यक्रम का संचालन जॉ. आसुतोष ने किया. आधार डॉ. एस. पी. ज्याण्या ने क्या किया. राष्ट्

जानीज जना प्रहोत्यन 🐧

## मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

### कड़ी मेहनत, दुरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगेः न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

मागर दिनकर

डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन अतिथि मुख्य विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुवे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यापंण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी

पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे। प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुवे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो' का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनोती थी। लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया। क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां

आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मल स्वभाव है- अतिथि देवो भव। इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है।

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्टा स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्सट रनर अप डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्कस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विघा में ओवर



ऑल चैम्पियनशिप विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

युवा उत्सव के दौरान पाँच समुहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य ऑके स्ट्रा, फोक (पाश्चात्य), लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल सोलो (हिंदस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो) लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्रिज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली कुल 27 विधाओं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

### मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें : कुलपति

कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंग : न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

सागर। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेश्वक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुवे विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिये, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने



कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए. अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बींच काफी सराहा गया।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरूप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है-अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे के गणमान्य शहर नागरिकों. विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी

सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है।

युवा उत्सव के दौरान पाँच समुहों में समृह नत्य (भारतीय), समृह नत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्युशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पक्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट बोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्रिज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टुनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं कार्यक्रम का संचालन डॉ. आश्तोष ने किया। आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया। राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ।

<mark>अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन</mark> • 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने लिया भाग, विजेता हुए पुरस्कृत

## दूरदृष्टि और पक्का इरादा है व कड़ी मेहनत कर रहे हैं तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली व विश्वविद्यालय ने मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' कराया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुरतपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआईयू पर्यवेशक अरूण पाटिल, तकनीकी पर्यवेशक दीपक विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय. छात्र करन्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा मंचामीन खे। पो एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुवे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो,



सागर । अंतर विश्वविद्यालीयन युवा उत्सव के समापन अवसर पर अतिथियों के साथ फोटो खिंचाते विद्यार्थी।

जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताए। कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए। कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप तीवन में जरूर सफल होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा जागो और अपने लख्य की प्राप्ति से सामान्य मनुष्य भी असाधारण करों , का सन्दर्भ देते हुए कहा कि शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा

कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती है। यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी, लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गीर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापकं स्वरूप में संभव हो पाया.

क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चनौतियां आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है-अतिथि देवो भव, इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है। सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आफ्के कदम चमेगी।

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। धियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर

चैम्पियनशिप विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा उत्सव के दौरान पांच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य फोक (पारपात्प), लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय बादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय बादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), वोकल वलासिकल स्रोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम,

वाद-विवाद. भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, बले मॉडलिंग, कार्ट्सिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं कराई गई। युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली। अतिथियों ने उन्हें लाखा बंजारा टॉफी दी।

दल प्रबंधकों और प्रतिनिधियों ने दिया प फोडबैक एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय क छात्र प्रतिनिधयों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालयः राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया। इन सभी ने आयोजक की मेजबानी, विश्वविद्यालय स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार नताया। एकेएस विवि सतना के दल ने बरेदी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तृति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया। राष्ट्र गान के साथ समारोह का

## जीवन में हार-जीत लगी रहती, अपना प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश

नवभारत न्यूज सागर 1 दिसंबर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन हुआ.

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुवे थे. अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुंसा ने की. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल,



तकनीकी पर्यवेक्षंक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय मंचासीन थे. प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तथ करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तौड श्रम करना चाहिए. कुलपित प्रो. ग्रुसा ने कहा कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन इस अग्योजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनीव्या बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जन मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें. सफलता आपके कदम चूमेगी. सांस्कृतिक दैली, फोक आर्केस्ट्रा, रिकट, ओवर ऑन में ब्रॅन्टर हरीसिंह और विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल विमयन में रस फर्स्टर स्वर अप में और विश्वविद्यालय नंबर को सांस्कृतिक देली, फोक आर्केस्ट्रा, रिकट में प्रवम स्थान मिना. थियेटर विद्या में ओवर ऑल पहला स्थान मिना है. साथ ही ओवर ऑल वेरियगनिश्च में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रस. युवा उत्सव के दौरान पाँच समूसें में समूह नृत्य, समूह नृत्य, फोक ऑकेंस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल, शास्त्रीय वादन एकल, क्लासिकल वोकल सोलो, वेस्टर्न बोकल, लाइट वोकल, पश्चिमी वाद्य यंत्र, एकांकी नाटक, वन एकट प्ले, क्लासिक्कल झंस, माइम, मिमिक्टी, वाद-विवाद, किन्त, भाषण, पोस्टर, ऑन र स्पॉट पेटिंग, स्पॉट फोटोजाफ़ी, इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं.

<mark>रैली, फोक आर्केस्ट्रा,</mark> स्किट, ओवरऑल (थियेटर) में डॉ. हरिसिंह गौर विवि नंबर वन

## सदैव कर्मशील, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि व पक्के इरादे से ही मिलेगी सफलता

ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विवि को मिली लाखा बंजारा टॉफी



पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

सागर. जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए श्रम करना चाहिए। संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं, इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे। यह बात मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे ने कही। मौका था डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालंयीन युवा उत्सव के समापन का। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिंदगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआइयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल. तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालयं के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता थ्रो. एडी शर्मा मंचासीन थे।



### इन ट्रॉफी से नवाजे गए विश्वविद्यालय

- संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विडल भाई पटेल ट्रॉफी एवं सेकंड रनर अप अवी द्धानिकी विश्वविद्यालय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गई।
- नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरिसिंह गौर विवि को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई
- पटेल ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की।
- फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवे को विवेक दत्तझा ट्रॉफी प्रदान की गई।
- सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरिसिंह गौर विवि सागर प्रथम रहा। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय स्थान पर रहे।
- क्र्य अंभी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गई।

प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेशसोनीने युवाउत्सवका प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। युवा उत्सव में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, रिकट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवीअहिल्याविश्वविद्यालय कोमिली। अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई।

### सोशल मीडिया लिंक -

https://khabarkaasar.com/2024/11/mp-many-events-will-be-organized-on-gaur-jayanti-and-38th-inter-university-youth-festival-2024-vice-chancellor-prof-neelima-gupta-gave-detailed-information/

https://www.teenbattinews.com/2024/11/38-2024.html?m=0

https://dainik.bhaskar.com/gAKFkow1xOb

https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-university-hari-singh-gaur-birthday-celebration-bundelkhand-style-gaur-gaurav-utsav-madhya-pradesh-news-mps24111500873

https://mpnews.live/gaur-utsav-many-programs-will-be-organized-in-gaur-utsav-from-26th-to-30th-november-press-conference-was-organized/

https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?nid=350360&y=1

<u>Patrika News - https://www.patrika.com/sagar-news/1500-artists-from-70-universities-will-perform-in-yuva-utsav-bollywoods-leading-artists-will-be-included-19122966</u>

https://www.facebook.com/share/v/1BFVkELwgX/

https://youtu.be/mEONVSGZsi4?si=BX5YrDcK0DN65WtW

https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post 73.html?m=0

https://youtu.be/zqTbXH8nEDY

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post\_94.html

https://yashbharat.co.in

https://chat.whatsapp.com/Inq3LBRjN2B1gW1IMKWq1V

 $\frac{https://khabarkaasar.com/2024/11/in-sagar-deputy-chief-minister-shukla-read-the-preamble-while-celebrating-the-amrit-mahotsav-of-the-constitution-on-gaur-gaurav-day/$ 

https://hindi.news18.com/news/madhya-pradesh/sagar-artists-took-to-the-streets-of-sagar-in-royal-style-became-emotional-after-seeing-bundeli-traditions-local18-8861119.html

https://www.teenbattinews.com/2024/11/38.html?m=0

https://www.sagarwatch.in/2024/11/gour-utsav\_0186603565.html

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post 81.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post 72.html

https://khabarkaasar.com/2024/11/university-the-third-day-of-the-youth-festival-was-filled-with-creative-expressions/

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival 28.html

https://www.teenbattinews.com/2024/11/28-2024.html?m=0

https://epaper.bhaskarhindi.com/c/76322776

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post 54.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post\_56.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post 33.html

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival 29.html

https://khabarkaasar.com/2024/11/gaur-utsav-participants-gave-artistic-expression-in-folk-instruments-folk-dance-comedy-and-silent-acting/

https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post\_71.html?m=0

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival 30.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post 92.html





संकलन, चयन एवं संपादन कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)